RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 98 ● भिलाई, शनिवार 18 अक्टूबर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

लाल आतंक पर बड़ा प्रहार

208 नक्सलियों ने डाले हथियार 110 महिलाएं और 98 पुरुष

जगदलपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के दंडकारण्य क्षेत्र में शुक्रवार को 208 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। इनमें 110 महिलाएं और 98 पुरुष शामिल हैं। सरेंडर करने वाले नक्सलियों को संविधान की कॉपी और गुलाब का फूल दिया गया। इन्हें अब सरकार की पुनर्वास योजना का लाभ मिल सकेगा। इसके साथ ही, अबूझमाड़ का अधिकांश हिस्सा नक्सली प्रभाव से मुक्त हो जाएगा और बड़ी संख्या में नक्सलियों के सरेंडर के बाद माना जा रहा है कि उत्तरी बस्तर में काफी हद तक लाल आतंक का अंत हो जाएगा। अब केवल दक्षिणी बस्तर ही बचा है। आत्मसमर्पण के दौरान कुल 153 हथियार भी अधिकारियों को सौंपे गए। इन हथियारों में 19 एके-47 राइफल, 17 एसएलआर राइफल, 23 इंसास राइफल, 1 इंसास एलएमजी, 36 .303 राइफल, 4 कार्बाइन, 11 बीजीएल लॉन्चर, 41 बारह बोर/सिंगल शॉट गन और 1 पिस्तौल शामिल है। इन 208 नक्सिलियों में एक केंद्रीय समिति सदस्य (सीसीएम), चार दंडकारण्य विशेष क्षेत्रीय समिति (डीकेएस जेडसी) सदस्य, एक क्षेत्रीय समिति सदस्य, 21 संभागीय समिति सदस्य (डीवीसीएम), 61 क्षेत्रीय समिति सदस्य (एसीएम), 98 पार्टी सदस्य और 22 पीएलजीए/ आरपीसी/ अन्य कार्यकर्ता शामिल हैं। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि इस बड़े आत्मसमर्पण के बाद उत्तर बस्तर

में नक्सल गतिविधियों का लगभग अंत हो गया है। अधिकारियों ने बताया कि अब अभियान का अगला चरण दक्षिण बस्तर पर केंद्रित होगा, ताकि छत्तीसगढ़ को पूरी तरह लाल आतंक से मुक्त कराया जा सके। आत्मसमर्पण करने वालों में एक सेंट्रल कमेटी सदस्य, चार डीकेएसजेडसी सदस्य, 21 डिविजनल कमेटी सदस्य सहित अनेक वरिष्ठ माओवादी नेता शामिल हैं। इन कैडरों ने कुल 153 अत्याधुनिक हथियारों के साथ सरेंडर किया है। इन हथियारों में ऌच-47, स्ऌ ढ्ढह्य रायफल और स्ल्ल शामिल हैं। यह केवल हथियारों का समर्पण नहीं, बल्कि हिंसा और भय के युग का प्रतीकात्मक अंत है। एक ऐसी घोषणा, जो बस्तर में शांति और भरोसे के युग की शुरुआत का संकेत देती है। मुख्यधारा में लौटने वाले शीर्ष माओवादी कैडर नेताओं में सीसीएम रूपेश उर्फ सतीश, डीकेएसजेडसी सदस्य भास्कर उर्फ राजमन मांडवी, रनीता, राजू सलाम, धन्नू वेत्ती उर्फ संतू, आरसीएम रतन एलम सहित कई वांछित और इनामी कैडर शामिल हैं। इन सभी ने संविधान पर आस्था व्यक्त करते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था में सम्मानजनक जीवन जीने का संकल्प लिया। यह ऐतिहासिक आयोजन जगदलपुर पुलिस लाइन परिसर में हुआ, जहां आत्मसमर्पित कैडरों का स्वागत पारंपरिक मांझी-चालकी विधि से किया गया।

आज का दिन छत्तीसगढ़ और देश वालों के लिए ऐतिहासिक-सीए साय

सीएम साय ने कहा कि आज बस्तर में 210 नक्सली, जो कभी माओवाद के झूठ में उलझकर वर्षों तक अंधेरी राहों पर भटकते रहे, उन्होंने संविधान और हमारी नीतियों पर विश्वास जताते हुए विकास की मुख्यधारा को अपनाया है। आज उन्होंने अपने कंधों से बंदूक उतारकर, अपने हाथों में संविधान को थामा है। आज बस्तर में बंदूकें छोड़कर सुशासन पर विश्वास जताने वाले

इन युवाओं से मुलाकात मेरे जीवन के सबसे भावनात्मक और संतोष देने वाले पलों में से एक है। हमारी नक्सलवादी आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति 2025, नियद नेल्ला नार योजना और पूना मारगेम पुनर्वास से पुनर्जीवन जैसी योजनाएँ, विश्वास और परिवर्तन का आह्वान है।

पश्चिम एशिया में शांति पर भारत-मिस्र की पहल

मोदी ने मिस्र के विदेश मंत्री से की मुलाकात...

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को मिस्र के विदेश मंत्री डॉ. बद्र अब्देलती से मुलाकात की और कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध लगातार मज़बूत हो रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फत्तह अल-सीसी को एक मित्र बताया और गाजा शांति समझौते में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए उनकी गहरी सराहना की। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मिस्र के विदेश मंत्री डॉ. बद्र अब्देलती का स्वागत करके प्रसन्नता हुई। गाजा शांति समझौते में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए अपने मित्र, राष्ट्रपति सीसी के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। भारत-मिस्र

रणनीतिक साझेदारी हमारे लोगों, हमारे साझा क्षेत्र और मानवता के लाभ के लिए लगातार मज़बूत होती जा रही है। अब्देलट्टी दो दिवसीय भारत यात्रा पर हैं। उन्होंने गुरुवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ बातचीत की।

गृह मंत्रालय ने की घोषणा

24 सितंबर की लेह हिंसा.....की जांच करेंगे सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज बीएस चौहान

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 24 सितंबर को लेह में हुई हिंसा की जांच के लिए रिटायर्ड सुप्रीम कोर्ट जज बी. एस. चौहान को नियुक्त किया है। इस जांच का उद्देश्य यह पता लगाना है कि उस दिन गंभीर कानून और व्यवस्था की स्थिति क्यों उत्पन्न हुई, पुलिस ने कैसे कार्रवाई की, और उस दौरान चार लोगों की मौत कैसे हुई। सरकारी बयान के अनुसार, 24 सितंबर को लेह शहर में गंभीर कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा हुई थी, जिसके परिणामस्वरूप पुलिस कार्रवाई हुई और चार लोग मारे गए। मंत्रालय ने कहा, 'निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए गृह मंत्रालय ने आज न्यायिक जांच की घोषणा की है, जिसे पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज डॉ. बी. एस. चौहान करेंगे। यह जांच उन परिस्थितियों की पड़ताल करेगी, जिनके कारण गंभीर कानून और व्यवस्था की समस्या पैदा हुई, पुलिस ने क्या कार्रवाई की, और चार व्यक्तियों की दुर्भाग्यपूर्ण मौत हुई। सरकार ने यह भी कहा कि वह किसी भी समय संवाद के लिए तैयार है और आगे भी उच्च स्तरीय समिति या किसी अन्य प्लेटफार्म के माध्यम से

एपेक्स बॉडी लेह (एबीएल) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के साथ बातचीत को स्वागत करती रहेगी। सरकार ने भरोसा जताया कि लगातार बातचीत से जल्दी ही सकारात्मक नतीजे सामने आएंगे और वह लेह के लोगों की आकांक्षाओं के प्रति प्रतिबद्ध है। जानकारी के अनुसार, 24 सितंबर को सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई थी। प्रदर्शनकारियों ने लेह के लिए राज्य बनने और छठे अनुसूची के तहत विशेष दर्जा देने की मांग की थी। इस हिंसा में चार लोग मारे गए और लगभग 90 लोग घायल हुए। दो दिन बाद, पुलिस ने जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत गिरफ्तार किया और उन्हें जोधपुर जेल भेज दिया, उन पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया गया।

चुनावी रैली में नीतीश का लालू पर सीधा हमला

पत्नी के लिए सीएम कुर्सी, और महिलाओं के लिए क्या किया

नई दिल्ली/ एजेंसी

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जो राज्य में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का चेहरा हैं, ने अपने चुनाव अभियान को मजबूत केंद्रीय समर्थन और समावेशी शासन द्वारा संचालित विकास की कहानी के इर्द-गिर्द गढ़ा है, साथ ही राज्य के राजद के नेतृत्व वाले विपक्ष पर भी निशाना साधा है। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद अपनी पहली बड़ी चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, कुमार ने शुक्रवार को ज़ोर देकर कहा, केंद्र ने हमें बड़ा समर्थन दिया है...पीएम मोदी ने बिहार की बहुत मदद की

है...हमारे पास बहुत सारी योजनाएँ हैं। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के साथ साझेदारी का लाभ उठाने की उनकी रणनीति को दर्शाता है ताकि ठोस प्रगति और कई केंद्रीय और राज्य समर्थित योजनाओं के कार्यान्वयन को प्रदर्शित किया जा सके। सरकार द्वारा अक्सर उद्धृत प्रमुख पहलों में बुनियादी ढांचा परियोजनाएं, महिलाओं के लिए कल्याणकारी योजनाएं जैसे कि मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना, और लाभार्थियों को वित्तीय हस्तांतरण शामिल हैं, जो सभी केंद्रीय सहायता से समर्थित हैं। कुमार ने सामाजिक समावेश पर अपने शासन के रिकॉर्ड का आक्रामक ढंग से बचाव किया। उन्होंने कहा, मैंने सभी वर्गों का विकास किया—चाहे वे हिंदू हों, मुसलमान हों, पिछड़े हों। मुख्यमंत्री ने अल्पसंख्यकों के लिए अपने प्रयासों पर विशेष रूप से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, मैंने मुसलमानों के लिए बहुत कुछ किया...मदरसों को मान्यता दी गई।

पंजाब में पराली जलाने के मामले बढ़े, कुल संख्या 165 पहुंची

चंडीगढ़। पंजाब में पराली जलाने के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, 15 अक्टूबर 2025 तक राज्य में एक ही दिन में 31 नए पराली जलाने के मामले दर्ज किए गए हैं। इसके साथ ही राज्य में अब तक कुल 165 पराली जलाने के मामले दर्ज किए जा चुके हैं। अमृतसर जिला इस बार पराली जलाने के मामलों में सबसे आगे रहा है, जहां 68 मामले दर्ज किए गए हैं। इसके बाद तरन तारन में 47, पटियाला में 11 और फिरोजपुर में 6 मामले सामने आए हैं, जबकि कुछ जिलों जैसे मोगा, मुक्तसर। रूपनगर और पठानकोट में अब तक एक भी घटना की सूचना नहीं मिली है।

रक्षा निर्यात में भारत की ऐतिहासिक उड़ान

25,000 करोड़ का रिकॉर्ड, 2029 तक 50,000करोड़ छूने का लक्ष्य

नई दिल्ली/ एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को घोषणा की कि भारत का रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 25,000 करोड़ रुपये के स्तर को छू गया है, जो कुछ साल पहले के 1,000 करोड़ रुपये से एक बड़ी छलांग है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अब 2029 तक घरेलू रक्षा विनिर्माण में 3 लाख करोड़ रुपये और रक्षा निर्यात में 50,000 करोड़ रुपये हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। ङ्ग पर साझा की गई एक पोस्ट में, ऋस्ह्ल इंडिया ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के हवाले से कहा कि हमारा रक्षा निर्यात, जो

पहले 1,000 करोड़ रुपये से कम हुआ करता था, अब रिकॉर्ड 25,000 करोड़ रुपये तक पहुँच गया है। हमने अब 2029 तक घरेलू रक्षा विनिर्माण में 3 लाख करोड़ रुपये और रक्षा निर्यात में 50,000 करोड़ रुपये हासिल करने का लक्ष्य रखा है। इस बीच, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता में इसके बढ़ते योगदान के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड की सराहना की, क्योंकि उन्होंने तेजस एमके 1 ए की पहली उड़ान में भाग लिया और एचएएल के नासिक परिसर में नई विमान उत्पादन लाइनों का उद्घाटन किया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, रक्षा मंत्री ने कहा कि यह नासिक स्थित उनके संयंत्र का पहला दौरा था। और उन्होंने वहाँ कार्यरत लोगों के उत्साह की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, एचएएल के नासिक परिसर का दौरा करने का यह मेरा पहला अवसर है।

भूपेंद्र सरकार में 19 नए चेहरे शामिल....

हर्ष संघवी बने डिप्टी सीएम, जडेजा की पत्नी की नई पारी

अहमदाबाद/ एजेंसी

गुजरात सरकार ने मंत्रिमंडल में बड़ा फेरबदल किया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अपने मंत्रिपरिषद में 19 नए चेहरों को शामिल किया है। नवगठित मंत्रिमंडल में पिछली टीम के छह सदस्यों को बरकरार रखा, जिनमें हर्ष संघवी को उपमुख्यमंत्री बनाया गया, जबकि क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की पत्नी रीवाबा जडेजा को भी मंत्रिमंडल में जगह दी गई है। इस फेरबदल के साथ मंत्रिपरिषद में अब मुख्यमंत्री सहित कुल सदस्यों की संख्या 17 से बढ़कर 26 हो गई है। 182 सदस्यीय गुजरात विधानसभा में अधिकतम 27 मंत्री (सदन की कुल संख्या का 15 प्रतिशत) हो सकते हैं। यह कैबिनेट पुनर्गठन 2027 में होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों से दो साल पहले और स्थानीय निकाय चुनावों से कुछ महीने पहले किया गया है। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने सभी नए मंत्रियों और कैबिनेट मंत्री या स्वतंत्र प्रभार वाले मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नई कैबिनेट में जातीय समीकरण का भी ध्यान रखा गया है। नए मंत्रिमंडल में आठ पिछड़ा वर्ग से तीन अनुसूचित जाति से, चार अनुसूचित जनजाति से संबंध रखने वाले विधायकों को मंत्री बनाया गया है। वहीं सीएम भूपेंद्र पटेल समेत आठ मंत्री पटेल समाज से हैं। पिछली कैबिनेट में गृह राज्य मंत्री रहे हर्ष सांघवी की पदोन्नति हुई है। उन्हें नए मंत्रिमंडल में उपमुख्यमंत्री बनाकर सरकार में दूसरे नंबर के पायदान पर पहुंचाया गया है। भूपेंद्र पटेल के पिछले

चार वर्षों के कार्यकाल में यह पहली बार है कि राज्य में किसी उपमुख्यमंत्री की नियुक्ति हुई है। पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत विजय रूपाणी के नेतृत्व वाली सरकार में यह पद नितिन पटेल के पास था, जिसे 2021 में समाप्त कर दिया गया था। नए मंत्री मंडल में सांघवी सहित छह विधायकों को मंत्रिमंडल में बरकरार रखा गया है। हालांकि गुरुवार को 16 मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया था, लेकिन इनमें से छह मंत्रियों के इस्तीफे मुख्यमंत्री ने स्वीकार नहीं किए थे। इन छह में से तीन, कनुभाई पटेल, रुशिकेश पटेल और कुंवरजी बावलिया पहले कैबिनेट मंत्री थे, जबकि सांघवी, प्रफुल्ल पनशेरिया और पुरुषोत्तम सोलंकी राज्य मंत्री थे। इनमें से केवल हर्ष संघवी को पदोन्नत कर उपमुख्यमंत्री बनाया गया है। वहीं पनशेरिया को स्वतंत्र प्रभार दिया गया है। मंत्रिमंडल में रीवाबा जडेजा को भी शामिल किया गया है। उन्होंने राज्य मंत्री के रूप में शपथ ली। उनके क्रिकेटर पति रवींद्र जडेजा और उनकी बेटी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। पार्टी ने जीतू वघानी, अर्जुन मोढवाडिया और मनीषा वकील को मंत्री के रूप में काम करने का अवसर दिया है। पोरबंदर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले मोढवाडिया ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। इससे पहले वे गुजरात कांग्रेस के अध्यक्ष और राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता भी रह चुके हैं।

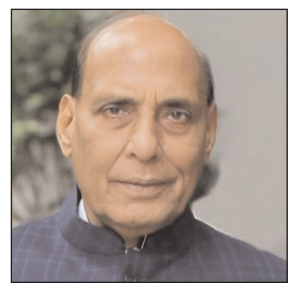

संघवी गुजरात के छठे उप-मुख्यमंत्री बने

संघवी अब गुजरात में उप-मुख्यमंत्री का पद संभालने वाले छठे व्यक्ति हैं। इस पद पर कार्य करने वाले पहले व्यक्ति कांग्रेस नेता चिमनभाई पटेल थे, जिन्होंने मार्च 1972 से जुलाई 1973 तक पदभार संभाला। इसी अवधि के दौरान, कांग्रेस के कांतिलाल घिया ने तत्कालीन मुख्यमंत्री घनश्याम ओझा के कार्यकाल में उपमुख्यमंत्री के रूप में भी कार्य किया। संघवी ने 2025 रांदेर विध्वंस, प्रमुख नशीली दवाओं के भंडाफोड़ और स्वच्छ तापी अभियान जैसे कई अभियानों का नेतृत्व किया। उन्होंने रोज़गार मेलों का आयोजन करके युवाओं के रोज़गार को बढ़ावा देने के लिए भी काम किया है।

संक्षिप्त समाचार

सीएम योगी के बिहार दौरे से एनडीए की मुसीबत शुरू हो जाएगी : पप्पू यादव

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर पूर्णिया लोकसभा सीट से सांसद पप्पू यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बिहार दौरे पर तंज कसा है। उन्होंने दावा किया कि योगी के दौरे से एनडीए की मुश्किलें शुरू हो जाएंगी। पप्पू यादव ने कहा कि बिहार नफरत की भूमि नहीं है। यह गुरु गोविंद, महात्मा बुद्ध, लोहिया, जेपी, महात्मा गांधी, बाल्मीकि, राष्ट्रकवि दिनकर, विद्यापति और राजेंद्र बाबू की धरती है, जो शांति और प्रगति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि योगी जी को समझना चाहिए था कि बिहार नफरत की भूमि नहीं, शांति की भूमि है। महागठबंधन में राजद और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे पर पप्पू यादव ने कहा कि कांग्रेस हमेशा अपने गठबंधन को मजबूत करती है और उसे सम्मान देती है। उन्होंने बताया कि गठबंधन की तैयारियां सुचारू रूप से चल रही हैं। उन्होंने कहा, हम दो कदम पीछे हटकर गठबंधन को मजबूत करने को तैयार हैं। जिन्हें मुख्यमंत्री बनना है, उन्हें अहंकार छोड़ना होगा। हम सम्मान देने को तैयार हैं।

यूपी में 16 साल बाद पत्रकार बृजेश गुप्ता हत्याकांड में इंसाफ, चार को उम्रकैद

कानपुर। 16 साल पुराने सनसनीखेज पत्रकार बृजेश गुप्ता हत्याकांड में आखिरकार न्याय की जीत हुई। एडीजे-19 राकेश सिंह की अदालत ने न्यूज एंकर कनिका ग्रोवर, उसके भाइयों सन्नी और मन्नी, तथा रिश्तेदार सुरजीत सिंह को हत्या का दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। वहीं, सबूत मिटाने के आरोप में बंटी उर्फ राजीव कुमार को पांच साल कैद की सजा दी गई। बाबूपुरवा निवासी पत्रकार प्रभात गुप्ता के छोटे भाई बृजेश गुप्ता स्थानीय चैनल के संचालक थे। 13 जून 2009 की शाम करीब साढ़े चार बजे वह गौशाला चौराहे पर प्रभात से मिले और बोले कि कनिका ग्रोवर को घर छोड़ने जा रहे हैं। इसके बाद वे लौटकर नहीं आए। अगले दिन उनकी कार की पिछली सीट पर बोरी में बंद उनका शव मिला।

मुजफ्फरनगर में देर रात मुठभेड़, गोली लगने के बाद बदमाश गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जनपद में देर रात थाना नई मंडी कोतवाली क्षेत्र में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें एक लुटेरा गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उसका दूसरा साथी पुलिस की कांबिंग के दौरान पकड़ लिया गया। मुठभेड़ में घायल बदमाश की पहचान इदरीश पुत्र अनीश निवासी महावतपुर थाना सिविल लाइन, रूड़की (हरिद्वार) के रूप में हुई है। वहीं उसके साथी निहाल उर्फ रिहान पुत्र नसीर आलम, जो उसी गांव का रहने वाला है, को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इनके कब्जे से एक तमंचा, कारतूस, चाकू, मोटरसाइकिल और लूट के 4,500 रुपए बरामद किए हैं।

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के कार्य को सफलतापूर्वक संपादित करने हेतु तैयारियां सुनिश्चित करें : कलेक्टर

बालोद। कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के कार्य को सफलतापूर्वक संपादित करने हेतु सभी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर मिश्रा साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में उपस्थित राजस्व, खाद्य, पुलिस एवं अन्य संबंधित विभाग के अधिकारियों को इस बात के निर्देश दिए हैं। मिश्रा ने समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के कार्य को शासन की विशेष प्राथमिकता वाले कार्य बताते हुए कहा कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही एवं त्रुटि की गुंजाईश बिल्कुल भी नही है। बैठक में मिश्रा ने अभी हाल में ही 12 एवं 13 अक्टूबर को राजधानी रायपुर में आयोजित कलेक्टर कान्फ्रेंस के दौरान बालोद जिले में शासन के सभी जन कल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के फलस्वरूप जिले के उल्लेखनीय प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण उपलब्धि जिले के सभी अधिकारी-कर्मचारियों का अपने कार्य के प्रति निष्ठा, समर्पण, लगन एवं प्रतिबद्धता के फलस्वरूप हासिल हुआ है। इसके लिए उन्होंने सभी विभागों के कार्यों की सराहना करते हुए जिले के सभी अधिकारी-कर्मचारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी, अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक, अजय किशोर लकरा एवं नूतन कंवर सहित राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों के अलावा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक में मिश्रा ने आगामी 15 नवंबर से शुरू हो रहे समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कार्य के तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि धान खरीदी कार्य के अंतर्गत केवल वास्तविक किसानों के वास्तविक रकबे के आधार पर ही धान की खरीदी सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने कहा कि किसी भी स्थिति में अवैध धान की खरीदी न हो सके इसके लिए उन्होंने अधिकारियों को जरूरी उपाय सुनिश्चित करने को कहा।

कलेक्टर ने जिले में अवैध धान की खरीदी की रोकथाम सुनिश्चित करने हेतु जिले के संवेदनशील धान खरीदी केन्द्रों को चिन्हित करने के अलावा जिले के 11 चेकपोस्ट में समुचित निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने धान खरीदी कार्य में लगे खाद्य एवं संबंधित विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों के अलावा जिले के सभी एसडीएम, तहसीलदार एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों को पूरे समय मुस्तैद रहकर जिले में धान खरीदी के कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा। मिश्रा ने जिला शिक्षा अधिकारी से बालोद जिले में बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम को उत्कृष्ट बनाने तथा शिक्षा गुणवत्ता में सुधार सुनिश्चित करने हेतु शिक्षा विभाग द्वारा बनाए गए कार्य योजना के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को स्कूलों में शिक्षक-शिक्षिकाओं का समय पर शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराने के अलावा सभी स्कूलों में अनिवार्य रूप से बायोमेट्रिक मशीन लगवाने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा उन्होंने जिले के सभी स्कूलों में अनिवार्य रूप से न्योता भोज का आयोजन कराने तथा इस कार्य में जनप्रतिनिधियों के अलावा अधिकारी-कर्मचारियों की भी अनिवार्य भागीदारी सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। मिश्रा ने जिले में राजस्व प्रकरणों के निराकरण की स्थिति की समीक्षा करते हुए सभी राजस्व अधिकारियों को निर्धारित समयावधि में सभी राजस्व प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कृषि विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए कृषि विभाग के उप संचालक को जिले के किसानों को फसल चक्र परिवर्तन के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। मिश्रा ने भविष्य में जल संकट की चुनौतियों को देखते हुए किसानों को ग्रीष्मकालीन धान के बदले अन्य फसल के उत्पादन के लिए प्रेरित करने को कहा। इसके अंतर्गत उन्होंने किसानों को ग्रीष्मकालीन धान के अलावा गन्ना, चना, सरसों, तिवड़ा आदि फसल उत्पादन के लिए समझाईश देने को कहा। कलेक्टर मिश्रा ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिले के सभी अधिकारी-कर्मचारियों को इस योजना के अंतर्गत अपने-अपने घरों में सोलर प्लेट लगाने को कहा। बैठक में मिश्रा ने जिले में कुपोषण की रोकथाम हेतु किए जा रहे उपायों की भी समीक्षा की।

रायपुर रेल मंडल में अमृत संवाद कार्यक्रम का आयोजन

दल्लीराजहरा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर रेल मंडल में विशेष अभियान 5.0 के तहत अमृत संवाद÷ कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है । इसी श्रृंखला में 15 अक्टूबर 2025 को भानुप्रतापपुर, दल्लीराजहरा एवं बालोद रेलवे स्टेशन में मंडल रेल प्रबंधक दयानंद की विशेष उपस्थिति में अमृत संवाद कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया । कार्यक्रम के दौरान यात्रियों एवं स्थानीय नागरिकों ने स्टेशन पुनर्विकास कार्य, यात्री सुविधाओं में सुधार, स्वच्छता एवं स्टेशन सौंदर्यीकरण जैसे विषयों पर रेल अधिकारियों के साथ सार्थक संवाद किया । उपस्थित नागरिकों एवं यात्रियों ने रेलवे द्वारा स्टेशनों पर किए जा रहे विकास एवं पुनर्विकास कार्यों की सराहना करते हुए अनेक रचनात्मक सुझाव भी प्रस्तुत किए । इन सुझावों पर सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए मंडल रेल प्रबंधक द्वारा प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया गया । मंडल रेल प्रबंधक दयानंद ने अमृत संवाद में कहा कि अमृत संवाद कार्यक्रम का उद्देश्य रेल प्रशासन और नागरिकों के बीच एक सशक्त एवं सीधा संवाद स्थापित करना है । भारतीय रेल को अधिक आधुनिक, स्वच्छ, सुरक्षित, यात्री-अनुकूल एवं जन-केंद्रित बनाने की दिशा में यह पहल एक महत्वपूर्ण कदम है । उन्होंने कहा कि यात्रियों के सुझाव रेलवे की प्रगति के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं और इन सुझावों को नीतिगत रूप से लागू करने के लिए गंभीरता से विचार किया जाएगा । उन्होंने स्वयं जाकर स्टेशनों पर आवागमन हेतु एप्रोच रोड, रेलवे कॉलोनी की व्यवस्था, माल लदान के रैंक पॉइंट पर उपलब्ध सुविधाओं, भूमि अधिग्रहण एवं अतिक्रमण के मामलों, विकासात्मक कार्यों के लिए रेलवे द्वारा दी जाने वाली एन ओ सी, रेल परिचालन के सिस्टम को लोगों के साथ सांझा किया। मंडल रेल प्रबंधक ने यह भी बताया कि 02 स्टेशनों रायपुर एवं दुर्ग का मेजर री-डेवलोपमेंट एवं रायपुर मंडल में विकसित होते अमृत भारत स्टेशनो पर अमृत संवाद किया जाना है । इन स्टेशनों पर लिफ्ट, एस्केलेटर, आधुनिक प्रतीक्षालय, उच्चस्तरीय प्लेटफॉर्म, कोच गाइडेंस सिस्टम, साइनेजेस, दिव्यांगजनों हेतु सुगम सुविधाएँ, सड़कों का उन्नयन एवं प्लेटफॉर्म शेल्टर जैसी उच्चस्तरीय सुविधाएँ यात्रियों के लिए विकसित की जा रही हैं, जिससे यात्रा अनुभव और अधिक आरामदायक एवं सुगम बनेगा । इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक दयानंद एवं मंडल के वरिष्ठ अधिकारीगण, रेलवे कर्मचारी एवं यात्रीगण, स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

शिवराम साहू तहसील साहू संघ अध्यक्ष निर्वाचित गणेश उपाध्यक्ष व कोमल संगठन सचिव निर्वाचित

डोंगरगांव नगर। तहसील साहू संघ डोंगरगांव का प्रतिष्ठापूर्ण निर्वाचन संपन्न हुआ। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व संगठन सचिव तीन पदों के लिए प्रत्यक्ष मतदान हुआ। अध्यक्ष प्रत्याशी शिवराम साहू ने कांटे के मुकाबले में निवर्तमान अध्यक्ष हेमंत साहू को 32 मतों से परास्त किया।

गणेश साहू उपाध्यक्ष तथा कोमल साहू संगठन सचिव चुने गये। वहीं डेरहिन साहू निर्विरोध महिला उपाध्यक्ष तथा पूनम साहू निर्विरोध महिला संगठन सचिव निर्वाचित हुई है। प्रदेश साहू संघ छत्तीसगढ़ तथा जिला साहू संघ के निर्देशन पर आयोजित तहसील साहू संघ का चुनाव स्थानीय कर्मा भवन मटिया में आयोजित किया गया था। संघ के चुनाव में कुल 889 मतदाताओं में से 753 ने अपने मतों का उपयोग किया। अध्यक्ष पद हेतु निवर्तमान अध्यक्ष हेमंत साहू एवं शिवराम साहू के बीच सीधा मुकाबला हुआ। देर शाम घोषित परिणाम अनुसार शिवराम को 389 तथा हेमंत साहू को 357 मत मिले, सात मत निरस्त हुए। इस प्रकार सीधे मुकाबले में शिवराम ने हेमंत को 32 मतों के अंतर से परास्त किया। जानकारी के अनुसार तहसील उपाध्यक्ष पुरूष पद हेतु गणेशराम साहू सुखरी, पुरूषोत्तम साहू मटिया तथा बिसनाथ साहू चुनाव मैदान में थे। इनमें से गणेश साहू को 399, पुरूषोत्तम को 233 एवं बिसनाथ को 81 मत मिले, 40 मत अवैध घोषित किये गये। इस प्रकार गणेशराम साहू 166 मतों से उपाध्यक्ष चुने गये। संगठन सचिव पद में कोमल साहू, छन्नूलाल साहू तथा मोहनीश साहू चुनाव मैदान में थे। इनमें कोमल साहू 343, छन्नूलाल को 101 तथा मोहनीश को 269 मत मिले। इसमें भी 40 मत अवैध घोषित किये गये। इस प्रकार कोमल साहू 74 मतों के अंतर से संगठन सचिव निर्वाचित हुए। उल्लेखनीय है कि डेरहिन साहू निर्विरोध महिला उपाध्यक्ष तथा पूनम साहू निर्विरोध महिला संगठन सचिव निर्वाचित हुई है।

निर्वाचन उपरांत प्रदेश साहू संघ अध्यक्ष डॉ नीरेन्द्र साहू, जिलाध्यक्ष भागवत साहू, चुनाव पर्यवेक्षक विजय साहू, चुनाव अधिकारी कुलेश्वर साहू, जिला महामंत्री नीलमणी साहू, पूर्व जिलाध्यक्ष कमलकिशोर साहू सहित वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को निर्वाचन प्रमाण पत्र सौंपा गया।

सायबर अपराध के दुष्परिणामों को लेकर विधिक जागरूकता शिविर

बेमेतरा। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के आदेशानुसार एवं माननीय अध्यक्ष / प्रधान जिला न्यायाधीश बृजेन्द्र कुमार शास्त्री जी के मार्गदर्शन एवं अनिता कोशिमा रावटे, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेमेतरा की निर्देशन में शासकीय नवीन महाविद्यालय नांदघाट में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं को नालसा (पॉक्सो एक्ट अधिनियम 2012) के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए बताया कि इसके तहत नाबालिग बच्चों के साथ होने वाले यौन अपराध बच्चों को गंदी बातें कहना, उन्हें अश्लील सामग्री, वीडियो दिखाना या अनुचित तरीके से छूना , छेड़छाड़ और बच्चों को पोर्नोग्राफी में शामिल करना या उसका वितरण करना शामिल है जिसमें कोई व्यक्ति ऐसा घटना घटित करता हैं तो उनके खिलाफ सख्त कारवाई की जाती है। उक्त शिविर में छात्र -छात्राओं को साइबर क्राइम से होने वाले, मोबाइल फ्रॉड की जानकारी देते हुए सोशल मीडिया दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी दिया गया, और बताया गया कि अपने दैनिक दिनचर्या और पारिवारिक निजी जीवन में जितना हो सके स्मार्टफोन का उचित एवं पढ़ाई से संबंधित उपयोग करें, फेसबुक , व्हाट्सएप , ट्विटर इंस्टाग्राम पर अपने व्यक्तिगत जानकारी फोटोग्राफ को अनावश्यक रूप से साझा नहीं करना चाहिए तथा इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से किसी अनजान व्यक्ति से बातचीत नहीं करना वह साथ ही किसी अनजान व्यक्ति का व्हाट्सएप कॉल वीडियो कॉल को अटेंड नहीं करना है किसी भी प्रकार के ऑनलाइन लिंक पर क्लिक नहीं करना है साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ए ई के माध्यम से होने वाले अपराधों से बचने के लिए हमेशा यह सुनिश्चित कर ले की जो व्यक्ति फोन पर स्वयं को आपका पहचान वाला या कोई करीबी व्यक्ति बता रहा है वह वास्तव में वही है कि नहीं सायबर अपराध पता नहीं चल सकता है , और हम उसमें ठगी का शिकार हो सकते है इसके अलावा अच्छे - अच्छे लेखकों की पुस्तक पढ़ने को प्रोत्साहित किया गया तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निशुल्क विधिक सहायता/सलाह के बारे में भी बताया गया। नालसा एवं सालसा द्वारा संचालित योजना जैसे नालसा टोल फ्री नंबर 15100, डॉन योजना, जागृति योजना, संवाद योजना, जनचेतना यू ट्यूब चैनल , घरेलू हिंसा अधिनियम, नवीन मोटरयान अधिनियम के अंतर्गत ड्राइविंग लाइसेंस की आवश्यकता से संबंधित जानकारी दी गई ।

संघ का विजयादशमी एवं शताब्दी वर्ष कार्यक्रम संपन्न

थान खमरिया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने नगर में रविवार को शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में पथ संचलन किया एवं विजयादशमी पर्व मनाया। मुख्य वक्ता संघ के दुर्ग विभाग प्रमुख राम मुरारी जी ने संघ की सौ वर्ष की यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डाला। शाम चार बजे सरस्वती शिशु मंदिर से घोष दल के साथ पथ संचलन प्रारंभ हुआ जो गौरव पथ, त्रिमूर्ति चौक, दाऊ चौरा, जयस्तंभ चौक, गुरूद्वारा, भारतमाता चौक होते हुये गोलबाजार स्थित गांधी पुतले के पास पहुँचा। भगवा ध्वज लहराते संचलन ने लोगों को राष्ट्र के प्रति निष्ठा, समर्पण, अनुशासन का संदेश दिया। पथ संचलन का अनेक स्थानों पर नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। पूर्ण गणवेशधारी एवं अन्य सैकड़ों लोगों ने कदमताल करते हुये संचलन किया। राम मुरारी जी, जमात मंदिर के महंत बसंतबिहारी दास जी, खंड कार्यवाह हेमंत साहू के आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम में शस्त्र पूजा की गयी। दीप प्रज्वलित कर केशव बलिराम हेडगेवार जी, भारतमाता, गुरूजी के तैल चित्रों की पूजा की गयी। अमृत वचन सूरज अग्रवाल ने, सुभाषितानि ईश्वर तिवारी ने तथा गीत प्रखर गौतम ने लिया। मुख्य वक्ता राम मुरारी जी ने कहा कि संघ का शताब्दी वर्ष स्वयंसेवकों के लिए गौरव का वर्ष है। संघ ने सौ वर्ष की यात्रा में तमाम आपदायें झेली हैं। अनेक आपत्तियों, विपत्तियां, संकटों का सामना करते हुए विशाल वट वृक्ष की तरह खड़े रहकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया है। उन्होंने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि संघ को समझने के लिए शाखा में जाने की जरूरत है। शाखा राष्ट्र निर्माण की पाठशाला है। सौ वर्ष की दीर्घ यात्रा की सुखद अनुभूति हर स्वयंसेवक में नई ऊर्जा व दायित्व का बोध करा रही है। विजयादशमी पर्व अन्याय पर न्याय का, बुराई पर अच्छाई का तथा असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक है। छत्रपति शिवाजी महाराज, महाराणा प्रताप का स्मरण करते हुये कहा कि इन्होंने अपने पौरूषत्व से सनातन अस्मिता की रक्षा की। गुरु गोविंद सिंह के बलिदान को नमन करते हुये कहा सनातन की रक्षा में सब कुछ कुर्बान कर दिया। देश में सनातन के मानबिंदुओं, मंदिरों, यात्राओं पर विधर्मियों द्वारा लगातार किये जा रहे हमलों पर चिंता व्यक्त करते हुये कहा कि हम जाति में बँटे रहे तो हिंदू और देश कमजोर होगा। इन विध्वंसक ताकतों का सामना करने हमें संगठित होना होगा। और हमारे आस्था के केंद्रों को भी कुचलने का प्रयास किया गया। क्योंकि हम जाति में बँटे हुए हैं, हमें संगठित होने की आवश्यकता है। राष्ट्र को जगाने का अभियान राष्ट्रीय सेवक संघ के द्वारा निरंतर चलाया जा रहा है। देश की संप्रभुता की रक्षा, पुराना वैभव लौटाने तथा भारत को विश्व गुरू के पद पर प्रतिष्ठित करने का सतत् उपक्रम संघ कर रहा है। देश के प्रत्येक गॉव में संघ की शाखा प्रारंभ करने की बात कही। पंच परिवर्तन लेकर घर-घर जाने का आव्हान किया। धर्म, संस्कृति, संस्कार, जीवन मूल्य की शिक्षा बच्चों को देने की बात कही संघ के कार्य को ईश्वरीय कार्य बताया। पं. ओमप्रकाश जोशी तथा चंदन अग्रवाल ने भी विचार रखा। कार्यक्रम का संचालन राकेश जोशी एवं जगराखन मण्डावी ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से साजा विधायक ईश्वर साहू, राजेश ठाकुर, अनिल सिंघानिया, सुरेश सिंघानिया, पुरुषोत्तम सिंघानिया, पुरुषोत्तम अग्रवाल, रामबिलाश शर्मा, चंद्रशेखर राजपूत, आदर्श जोशी, लखनलाल साहू, राजेश राजपूत, युवराज साहू, रुद्रअंश जोशी, देवकुमार ताम्रकार, मुन्ना सिंघानिया, राजेश सिंघानिया, शरद कुंभकार, विजय यादव, चेतन सिन्हा, टीकम अग्रवाल, सरिता जैन, रेखा शर्मा, नमिता सिन्हा आदि उपस्थित थे।

एम्बुलेंस की टक्कर से दो बाईक सवार घायल नशे में धुत्त एम्बुलेंस चालक, अस्पताल में पुष्टि

डोंगरगांव नगर। अंचल के रतनभाट नाला के पास सड़क दुर्घटना हो गई। एम्बुलेंस ने बाईक को ठोकर मार दी। एम्बुलेंस की ठोकर से बाइक सवार दोनों व्यक्ति घायल हो गए। सूत्रों की माने तो टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाईक सवार दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए और एम्बुलेंस के ड्राइवर साइड डैमेज हो गया। दरअसल एम्बुलेंस वाहन क्रमांक सीजी 02 एयू 0654 डिलीवरी के बाद जच्चा बच्चा को घर छोड़ने जा रहा था, तभी सामने से आ रही बाईक क्रमांक सीजी 24, 9659 आई स्मार्ट को जबर्दस्त टक्कर मार दी। परिजनों के अनुसार बाईक सवार दोनों युवक फरडफेड़ देवरी से जुन्नापानी की ओर जा रहे थे, तभी रतनभाट नाला के पास सामने से आ रही एम्बुलेंस ने उन्हें टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के बाद एम्बुलेंस चालक जच्चा-बच्चा को छोड़ने आगे निकल गया तथा घायलों को मौके पर ही छोड़ दिया। बाद में ग्रामीणों ने उसका पीछा कर उसे घटना स्थल पर वापस लाया। ग्रामीणों और राहगीरों की मदद से घायलों को डोंगरगांव अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को राजनांदगांव जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

नशे में धुत्त था ड्रायवर : संगीता

संगीता गजभिए सदस्य राज्य बाल संरक्षण आयोग छत्तीसगढ़ घटना स्थल से गुजर रही थी, घटना में घायल बाइक सवार को अपने निजी वाहन से डोंगरगांव अस्पताल लेकर पहुँची। उन्होंने बताया कि एम्बुलेंस का ड्राइवर शराब के नशे में धुत था। इसी वजह से दुर्घटना हुई। इसकी सूचना बीएमओ को देकर कार्रवाई की मांग की गई है।

एम्बुलेंस चालक प्रेम ठाकुर उम्र 25 वर्ष निवासी बाजार नावागांव तथा घायलों की पहचान गिरेश साहू, 45 वर्ष, पिता बसंत साहू निवासी सम्बलपुर बरबसपुर तथा घनश्याम साहू, 50 वर्ष, पिता जोशी साहू निवासी जुन्नापानी के बतौर हुई है। दुर्घटना में गिरेश साहू के पैर की हड्डी टूट गई तथा हाथ में चोटें आई, वहीं घनश्याम साहू के हाथ और पैर दोनों में गंभीर चोटें बताई जा रही हैं।

शिक्षक संघ ने की नव नियुक्त विकासखंड शिक्षा अधिकारी देवेंद्र साहू से सौजन्य भेंट

शिक्षकों की विभिन्न समस्याओ पर हुई चर्चा

थान खमरिया। छ.ग.शालेय शिक्षक संघ स. लोहारा के ब्लॉक अध्यक्ष राकेश जोशी के नेतृत्व में संघ का प्रतिनिधिमंडल विकासखंड शिक्षा अधिकारी से मुलाक़ात कर उनके नवीन पदभार ग्रहण करने पर बधाई व शुभकामनाएं दी व श्री राम जन्म भूमि का फोटो प्रेम देकर स्वागत किया गया, संघ के प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षकों के विभिन्न समस्याओं पर विस्तृत चर्चाकर शीघ्र निराकरण हेतु निवेदन किया, जिसमें शिक्षकों के सर्विस बुक संधारण, सेवा पुस्तिका का आडिट कराने,समयमान वेतन का एरियस राशि प्रदान करने, लंबित मेडिकल व अर्जित अवकाश का भुगतान करने,स्वास्थ्यगत मेडिकल भत्ता प्रदान करने की मांग की गई,जिस बी ई ओ देवेंद्र साहू सर विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने सभी समस्याओं का त्वरित निराकरण करने एवं प्राथमिकता के साथ निराकरण का आश्वासन दिया।इस अवसर पर ब्लॉक पदाधिकारी प्रतिनिधिमंडल ब्लाक अध्यक्ष राकेश जोशी,कोषाध्यक्ष दौलत बैंस, उपाध्यक्ष यशवंत कौशिक,सचिव देवानंद त्रिपाठी सहित रेवाराम साहू,गुलाब राम साहू,शिव ध्रुवे,भूपेंद्र साहू अनेक छ.ग.शालेय शिक्षक संघ स.लोहारा के शिक्षक गण उपस्थित थे।

सहयोग संस्था ने किया 51 पौधों का रोपण, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

बेमेतरा। नगर में 2001 से जल जंगल जमीन के लिए लगातार काम कर रहे समाज सेवी संस्था द्वारा राधा सुनील जी डागा रायपुर के सौजन्य से खिलोरा रोड सिंघोरी स्थित स्थानीय आत्मानंद स्कूल मैदान में विभिन्न प्रजाति के 51 नग पौधारोपण कर पौधो के संरक्षण व संवर्धन के लिए शपथ लिया गया । कार्यक्रम के प्रारंभ में संस्था द्वारा पेड पौधे व स्वच्छता के लिए किए जा रहे प्रतिदिन के कार्यो से अवगत कराया गया ।इसके तहत डॉ एल आर साहू द्वारा अपने पिता भूकलू राम साहू के पुण्य स्मरण एवं पुत्र दोवेन्द्र साहू के जन्मदिन पर एवं स्व. तुसार साहू की स्मृति मे उनके पिता श्री सुरेश साहू जी द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के साथ धेराबंदी के साथ पौधा लगाने के लिए मदद किया है। कार्यक्रम में स्कूल के छात्र छात्राएं , संस्था के सदस्य, डॉ साहू के विभिन्न स्थानों से आए अतिथि और नगर जनों ने पौधारोपण कार्यक्रम में अपना योगदान दिया। सहयोग संस्था द्वारा जल जंगल जमीन संरक्षण अंतर्गत अब तक 40 स्थानों पर किए गए वृक्षारोपण की प्रशंसा करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पत्रकार जितेंद्र शुक्ला ने कहा हम विकास और सभ्यता के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुन दोहन करते चले जा रहे हैं।विकास भी आवश्यक है परन्तु इससे उत्पन्न पर्यावरणीय नुकसान की पूर्ति के लिए क्षेत्रीय शुद्ध वायु ,जल के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण का कार्य कर उसे संरक्षित किया जाना चाहिए।उन्होंने यह भी कहा कि सहयोग संस्था का कार्य सराहनीय है जिसकी चर्चा बेमेतरा में आम है। रमन काबरा ने कहा बेमेतरा जिले में एक भी जंगल नहीं है।हम जल जंगल जमीन संरक्षण की दिशा में जहां भी खाली जमीन दिखता है वहां जन सहयोग से वृक्षारोपण का कार्य करते है।समय समय पर आने वाले समस्याओं का सामना भी करते है। विशिष्ट आतिथि पत्रकार सुजीत शर्मा ने सहयोग संस्था के कार्यक्रमों में कलेक्टर एवं नगर पालिका अध्यक्ष की उपस्थिति आग्रह कर सुनिश्चित करने कहा। विशिष्ट अतिथि ब्राह्मण समाज प्रांताध्यक्ष लेखमणी पांडे ने कहा संस्था के सदस्यों का योगदान अभूतपूर्व है।इनके द्वारा किए गए वृक्षारोपण से आज बेमेतरा में रौनक है। डॉ लालाराम साहू ने कहा कि वृक्षारोपण कार्य के अतिरिक्त हम नशा रोधी कार्य के लिए अपने गांव में एक अभियान चलाया है जिसके अंतर्गत शराब बेचने,पियक्कड़ों को पानी पाउच या डिस्पोजल उपलब्ध कराने वालों को अर्थ दंड से दंड का नियम बनाया है ।जिसके बाद से गांव में अब तक कोई शिकायत नहीं मिल रही है। सेजस स्कूल प्राचार्य चंद्राकर ने कहा हमारे स्कूल के ग्राउंड में लगे मोटर पंप के सामनों की अक्सर चोरी फेंसिंग नहीं होने से होते रहा।अब सहयोग संस्था द्वारा फेंसिंग करा कर वृक्षारोपण करने से प्रांगण सुरक्षित हो गया। जल जंगल जमीन की सुरक्षा की दिशा में कार्य करने वाली सहयोग संस्था ने राधा सूनिल डागा रायपुर के सौजन्य से आज 50 पौधे रोपित किए हैं जिसमें पीपल नीम कारंजा आदि के छाया दार पेड़ हैं ।इन्होने इसके पूर्व 2023 मे मुक्तिधाम पिकरी मे भी 70पौधों के रोपण मे आने वाले पुरे खर्च को वहन किया था ।

संक्षिप्त समाचार

बस्तर के आसना में खुलेगा राज्य का पहला वन विज्ञान केन्द्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बस्तर वन मंडल के आसना में राज्य के पहले वन विज्ञान केन्द्र की स्थापना की जायेगी। राष्ट्रीय कैम्पा मिशन भारत सरकार द्वारा इसकी स्वीकृति दे दी गई है। राष्ट्रीय कैम्पा की 23वीं क्रियान्वयन समिति की बैठक में पायलट बेसेस पर झारखंड, छत्तीसगढ़, उड़िसा, महाराष्ट्र, उत्तराखंड और मध्यप्रदेश में एक-एक वन विज्ञान केन्द्र शुरू करने का निर्णय लिया गया है। छत्तीसगढ़ में बस्तर के आसना में वन विज्ञान केन्द्र शुरू होगा। इसके संचालन, प्रशिक्षण और पाठ्यक्रमों के निर्धारण के लिए मुख्य वन संरक्षक जगदलपुर वृत्त की अध्यक्षता में प्रदेश स्तरीय सलाहकार समिति का गठन किया गया है। इस समिति में 8 विषय विशेषज्ञों को भी शामिल किया गया है। वन विज्ञान केन्द्र की सलाहकार समिति में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति डॉ. गिरिश चंदेल सहित जशपुर के श्री राजेश गुप्ता, शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर के सह-प्राध्यापक डॉ. संजीवन कुमार, रायपुर के श्री गिरीश कुबेर, श्री राजीव शर्मा, डॉ. एम.एल. नायक, श्री सुबोध मनोहर पांडे और पूणे महाराष्ट्र के डॉ. राहुल मुंगीकर को शामिल किया गया है। सरगुजा वृत्त के मुख्य वनसंरक्षक भी समिति के सदस्य होंगे। बस्तर के वन मंडलाधिकारी को समिति का सदस्य सचिव मनोनित किया गया है। समिति में नामांकित विषय विशेषज्ञों को वन विज्ञान केन्द्र के संचालन, प्रशिक्षण और पाठ्यक्रम निर्धारण में सहयोग के लिए किसी प्रकार का मानदेय या वेतन नहीं दिया जायेगा।

राष्ट्रीय पोषण माह में हुए अनेक समेकित कार्यक्रम

रायपुर। बिलासपुर द्वारा राष्ट्रीय पोषण माह के अवसर पर एक दिवसीय समेकित लोक संपर्क कार्यक्रम का आयोजन कोटा विकासखंड के आदिवासी बहुल ग्राम जंजीराडीह में किया गया। कार्यक्रम में ग्राम सरपंच रमेश गोआड़ा, पंच मीना गोआड़ा, वरिष्ठ शिक्षिका नीलोफर तबस्सुम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बसंती गोआड़ा, गर्भवती एवं शिशुवती माताएँ, किशोरी बालिकाएँ तथा बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम सरपंच रमेश गोआड़ा ने की। कार्यक्रम में वरिष्ठ शिक्षिका नीलोफर तबस्सुम ने पोषण माह के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारा भोजन पोषणयुक्त और संतुलित होना चाहिए, तभी स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है। इस अवसर पर कार्यालय प्रभारी कमल गिरी ने बताया कि राष्ट्रीय पोषण माह अंतर्गत 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान भारत सरकार की एक राष्ट्रव्यापी स्वास्थ्य पहल है, जिसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं, किशोरियों और बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण में सुधार लाना है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत देशभर में प्रचार-प्रसार, स्वास्थ्य शिविरों, टीकाकरण और पोषण आहार से संबंधित जागरूकता गतिविधियाँ निरंतर आयोजित की जा रही हैं। कमल गिरी ने संतुलित भोजन को कुपोषण मुक्त भारत के निर्माण की कुंजी बताते हुए कहा कि स्वस्थ नारी ही सशक्त परिवार और सशक्त राष्ट्र की आधारशिला है। ग्राम सरपंच रमेश गोआड़ा ने उपस्थित ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे कार्यक्रम में दी गई जानकारियों को अपने दैनिक जीवन में अपनाकर स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज के निर्माण में सहयोग करें। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बसंती गोआड़ा ने पौष्टिक आहार विषय पर विस्तार से जानकारी दी और ग्रामीणों को आंगनबाड़ी केंद्र में उपलब्ध सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। आंगनबाड़ी केंद्र की ओर से पोषण आहार प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें विभिन्न पौष्टिक खाद्य पदार्थों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान प्रश्न मंच प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पुरस्कार प्राप्त किए। साथ ही, स्वच्छता पर्व के तहत स्वच्छता शपथ दिलाई गई और 'एक पेड़ मां के नाम' पहल के अंतर्गत पौध वितरण भी किया गया।

अवैध शराब बेचते तीन पकड़ाये,60 पाव देशी मसाला शराब जप्त किया

रायपुर। जिले की चौकी करहीबाजार पुलिस द्वारा अवैध रुप से शराब बिक्री करने वाले तीन शराब कोचियों को गिरफ्तार किया गया है तथा उनके पास से कुल 60 पाव देशी मसाला शराब जप्त किया गया है। बता दें कि पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के निर्देशन में आमजनों की शिकायत एवं समस्याओं का त्वरित निराकरण करने हेतु जिले में महत्वाकांक्षी योजना समाधान सेल प्रारंभ किया गया है, जिसकी सहायता से किसी भी प्रकार की सूचना, शिकायत अथवा आपराधिक गतिविधि की जानकारी समाधान सेल हेल्पलाइन नंबर 94792 20392 में व्हाट्सएप अथवा कॉल के जरिए प्रदान की जा सकती है। समाधान सेल के माध्यम से आपराधिक कार्यों में संलिप्त व्यक्तियों की धरपकड़ में भी लगातार कामयाबी मिल रही है। इसी तारतम्य में आज दिनांक 14.10.2025 को समाधान सेल में प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस चौकी करहीबाजार की पुलिस टीम द्वारा नहर पुलिया के पास ग्राम खैरा में घेराबंदी कर मोटरसाइकिल के माध्यम से अवैध रूप से बिक्री करने के लिए शराब ले जाते हुए 3 आरोपियों विजय कुमार ध्रुव उम्र 35 साल निवासी ग्राम बिटकुली,अजय कुमार ध्रुव उम्र 25 साल निवासी ग्राम बिटकुली तथा राहुल ध्रुव उम्र 21 साल निवासी ग्राम बिटकुली को गिरफ्तार किया गया है।

पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल राष्ट्रीय पर्यटन सम्मेलन में हुए शामिल

देश में 50 ग्लोबल डेस्टिनेशन विकसित करने का लक्ष्य

- पीएम नरेन्द्र मोदी के वन स्टेट, वन ग्लोबल डेस्टिनेशन विजन के तहत दिया प्रस्तुतिकरण
- चित्रकोट वाटरफॉल को ग्लोबल डेस्टिनेशन में शामिल करने पर बनी सहमति

रायपुर/ संवाददाता

लेकसिटी उदयपुर में पिछले दिनों आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय पर्यटन सम्मेलन में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने सम्मिलित होकर राज्य के पर्यटन संभावनाओं और योजनाओं पर केंद्र और अन्य राज्यों के मंत्रियों-अधिकारियों संग विचार-विमर्श किया। श्री अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों को वन स्टेट वन डेस्टिनेशन में शामिल करने की आवश्यकता बताते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के नियाग्रा कहे जाने वाले चित्रकोट वॉटरफाल को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। इस संबंध में उन्होंने अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। सम्मेलन में राज्य एवं केन्द्र शासित प्रदेशों के पर्यटन मंत्री विभागीय सचिवों सहित सम्मिलित हुए। इस वर्ष सम्मेलन की थीम 'वन स्टेट-वन ग्लोबल टूरिज्म डेस्टिनेशन' था, जिसके अंतर्गत प्रत्येक राज्य ने अपने प्रमुख पर्यटन स्थलों को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने हेतु प्रस्तुतिकरण दिया। इस अवसर पर केन्द्रीय पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र शेखावत ने कहा कि पर्यटन क्षेत्र का योगदान अब भारत की जीडीपी में लगभग 6 प्रतिशत तक

पहुंच चुका है, जो अगले कुछ वर्षों में 10 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि भारत का लक्ष्य आने वाले वर्षों में विश्व के शीर्ष दस पर्यटन देशों में शामिल होना है। वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल इंडेक्स में भारत की रैंकिंग 2014 में जहां 60 के आसपास थी, वहीं अब यह 39वें स्थान पर पहुंच गई है। यदि केन्द्र और राज्य सरकारें मिलकर काम करें तो अगले पांच वर्षों में भारत इस रैंकिंग को 20वें स्थान तक ला सकता है, और 10 वर्षों में शीर्ष दस देशों में अपना स्थान बना सकता है। इसके लिए केन्द्र सरकार ने 50 ग्लोबल डेस्टिनेशन विकसित करने का लक्ष्य तय किया है। उन्होंने कहा कि दो दिन के सम्मेलन में बहुमूल्य सुझाव मिले हैं, जो पीएम नरेन्द्र मोदी के वन स्टेट, वन ग्लोबल डेस्टिनेशन के विजन को साकार करने में मील का पत्थर साबित होंगे। पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि वन स्टेट वन डेस्टिनेशन के लिए छत्तीसगढ़ के नियाग्रा कहे जाने वाले चित्रकोट वॉटरफाल व ऐतिहासिक, पुरातात्विक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व के सिरपुर को भी वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए हमारी सरकार इस दिशा में कार्य कर रही है। छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक धरोहरों और जनजातीय संस्कृति की भव्यता को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में हम कार्यरत हैं। पर्यटन के माध्यम से स्थानीय युवाओं को रोजगार प्राप्त होगा। इससे अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी वहीं पर्यटकों को स्थानीय सांस्कृतिक विरासत को जानने समझने का बेहतर माध्यम बनेगा। सम्मेलन के दौरान चित्रकोट वाटरफॉल एवं इसके आसपास के प्रमुख स्थलों को भी विकसित करने के लिए कार्ययोजना में जोड़ने की सहमति बनी। वर्ल्डक्लास टूरिस्ट डेस्टिनेशन के लिए जो पैरामीटर होनी चाहिए विकसित करने की दिशा में कार्य करने के निर्देश संबंधितों को दिए गए। छत्तीसगढ़ के पर्यटन विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव ने पीएम नरेन्द्र मोदी के वन स्टेट, वन ग्लोबल डेस्टिनेशन के विजन के तहत छत्तीसगढ़ के धार्मिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक स्थलों के विकास के लिए अपनाई जा रही बेहतरीन योजनाएं साझा की। उन्होंने राज्य की आदिवासी संस्कृति, जैव-विविधता, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थलों दंतेश्वरी मंदिर, बस्तर, रामगढ़ की गुफाएं, बारनवापारा अभ्यारण्य, मधेश्वर पर्वत आदि को केंद्र में रखते हुए प्रस्तुतिकरण दिया।

सारनाथ एक्सप्रेस तीन महीने में 32 दिन रहेगी रद्द-रेलवे....

रायपुर। संवाददाता

ठंड का मौसम शुरू होने से पहले ही रेलवे ने संभावित घने कोहरे के कारण दुर्ग से छपरा जाने वाली यात्रियों की पसंदीदा ट्रेन को दिसंबर, जनवरी और फरवरी में विभिन्न तिथियों पर रद्द करने का निर्णय लिया है। इस फैसले से उत्तरप्रदेश और बिहार जाने वाले यात्रियों की परेशानी अभी से बढ़ गई है। यह ट्रेन नियमित रूप से चलने वाली सेवा है, जिसमें रोजाना बड़ी संख्या में यात्री सफर करते हैं। हर साल की तरह इस बार भी रेलवे ने कोहरे की संभावना को देखते हुए अग्रिम रूप से ट्रेनों को रद्द करने का निर्णय लिया है। पिछले पांच पहले वर्षों से अधिक समय से रेलवे ठंड शुरू होने से सारनाथ और दिल्ली मार्ग की कई ट्रेनों को इसी वजह से रद्द करता आ रहा है। पिछले वर्ष भी जब रेलवे ने यह ट्रेन रद्द की थी, तो यात्रियों ने विरोध जताया था। विरोध के बाद ही रेलवे को ट्रेनों का संचालन दोबारा बहाल करना पड़ा था। आदेश जारी होने के बाद यात्री फिर से बहाल करने की मांग करने लगे हैं। रेलवे ने ठंड में इस बार दिसंबर से फरवरी के बीच 32 दिन सारनाथ को रद्द किया है, जिसमें दिसंबर में 14 दिन, जनवरी में 12 और फरवरी में 6 दिन रद्द रहेगी। पिछले साल रेलवे ने 39 दिन रद्द का आदेश निकाला था। बता दें कि 01, 03, 06, 08, 10, 13, 15, 17, 20, 22, 24, 27, 29 एवं 31 दिसम्बर, 2025 को, जनवरी माह में 03, 05, 07, 10, 12, 14, 17, 19, 21, 24, 26, 28 एवं 31 जनवरी, 2026 को तथा फरवरी माह में 02, 04, 07, 09, 11 एवं 14 फरवरी, 2026 को इस ट्रेन का परिचालन स्थगित किया गया है। रेलवे ने छपरा जाने वाली सारनाथ एक्सप्रेस को दिसंबर से फरवरी तक अलग-अलग तारीखों में रद्द कर यात्रियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। रेलवे का यह अजीबोगरीब फैसला तीसरे साल भी आया है, लेकिन यात्रियों को इसके पीछे का तर्क अभी तक समझ नहीं आया। सारनाथ एक्सप्रेस और गोंदिया बरौनी एक्सप्रेस का रूट लगभग एक जैसा ही है। कुछ नए रूट हैं, लेकिन दोनों ही ट्रेन प्रयागराज व वाराणसी

कौशल विकास चलाने का लाइसेंस दिलाने के नाम पर ठगी करने वाला पकड़ाया

रायपुर। जिले की थाना सिटी कोतवाली पुलिस ने कौशल विकास चलाने का लाइसेंस दिलाने का झांसा देते हुए ठगी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी राजकुमार वलेचा निवासी बजरंग चौक वलेचा मार्केटिंग बलौदाबाजार द्वारा आवेदन प्रस्तुत करते हुए रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि दिनांक 04.12.2022 से 03.06.2024 के मध्य बलौदाबाजार भाटापारा में कौशल विकास चलाने का लाइसेंस दिलाने का झांसा देकर फोन-पे एवं नगदी रकम आदि के माध्यम से कुल 2,06,000 प्राप्त कर आरोपी देवनाथ वर्मा उम्र 34 वर्ष निवासी ग्राम सूरजपुरा थाना भाटापारा ग्रामीण द्वारा ठगी किया गया है। रिपोर्ट पर थाना सिटी कोतवाली में धारा 420 भादवि का प्रकरण पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया।

मुख्यमंत्री की पहल पर शासन का संवेदनशील निर्णय

दीपावली से पहले शासकीय कर्मचारियों को अग्रिम वेतन भुगतान-सीएम साय....

रायपुर/ संवाददाता

दीपावली के शुभ अवसर पर राज्य शासन ने अपने शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए माह अक्टूबर 2025 का वेतन 17 एवं 18 अक्टूबर को अग्रिम रूप से भुगतान करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने सभी विभागों को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मेरे लिए शासन केवल तंत्र नहीं, बल्कि उन कर्मठ साथियों का परिवार है जो पूरे मन से जनता की सेवा में लगे हैं। दीपावली पूर्व अग्रिम वेतन भुगतान का यह निर्णय उसी आत्मीयता का प्रतीक है कि सरकार अपने हर साथी की खुशियों में सहभागी बने और हर घर में उजियारा तथा प्रसन्नता फैले। उन्होंने कहा कि दीपावली का पर्व प्रसन्नता, एकता और उत्साह का प्रतीक है। शासन का उद्देश्य है कि प्रत्येक अधिकारी-कर्मचारी इस पर्व को परिवार सहित उल्लासपूर्वक मना सके और किसी प्रकार की आर्थिक असुविधा का सामना न करना पड़े। वेतन भुगतान की प्रक्रिया को सुचारु रूप से संपन्न करने हेतु राज्य के सभी कोषालय एवं उपकोषालय 18 अक्टूबर (शनिवार, अवकाश दिवस) को भी खुले रहेंगे, ताकि किसी कर्मचारी को भुगतान प्राप्त करने में कोई कठिनाई न हो। राज्य शासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि मजदूरी, मानदेय एवं पारिश्रमिक जैसे अन्य मदों में भी नियमानुसार अग्रिम भुगतान किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दीपावली पूर्व अग्रिम वेतन भुगतान से न केवल शासकीय कर्मचारियों को आर्थिक सुविधा और राहत प्राप्त होगी, बल्कि इससे जीएसटी बचत उत्सव के दौरान राज्य के बाजारों में रौनक, व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि और आर्थिक प्रवाह में तीव्रता आएगी।

खेत की फेंसिंग तार में करंट,एक की मौत,खेत मालिक गिरफ्तार....

रायपुर। संवाददाता

खेत में लगे फेंसिंग तार में करंट सप्लाई होने के चलते एक युवक की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने आरोपी खेत मालिक को गिरफ्तार कर लिया है। मामला थाना दुलदुला क्षेत्रांतर्गत ग्राम खूंटीटोली कस्तूरा का है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 24.09.25 को थाना दुलदुला क्षेत्रांतर्गत ग्राम खूंटी टोली, कस्तूरा निवासी प्रार्थी अनथ्रेस एक्का, उम्र 55 वर्ष ने, थाना दुलदुला में मर्ग रिपोर्ट दर्ज कराया था कि, उसका पुत्र मृतक असलम एक्का, उम्र 26 वर्ष, जो कि नजर कमजोर होने के कारण, नजदीक की चीजों को ही देख पाता था व धीरे धीरे, पैर से थाह लेकर ही चलता फिरता था, जो कि दिनांक 23.09.25 को दोपहर लगभग 3 बजे हमारे खेत जो कि गांव के ही बलेरियम एक्का के, सब्जी बाड़ी के पास है, में खेत की ओर गया था, चूंकि बलेरियम एक्का अपने सब्जी बाड़ी के चारों ओर, सौर ऊर्जा से संचालित, सोलर झटका मशीन के करंट तार का घेरा लगाया है, में उसका पुत्र असलम एक्का गिर कर फंस गया व सोलर करंट लगने से उसकी मृत्यु हो गई। जिस पर पुलिस के द्वारा थाना दुलदुला में मर्ग कायम कर, तत्काल घटना स्थल रवाना हुआ गया, व मृतक असलम एक्का के शव का पंचनामा करते हुए, घटना स्थल का निरीक्षण किया गया। साथ ही मृतक असलम के शव का डॉक्टर से पोस्ट मार्डम भी कराया गया। जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि मृतक की सोलर झटका मशीन से मृत्यु होना अप्रासंगिक प्रतीत हो रहा था, मृतक असलम एक्का के दोनों हाथ व सीने में करंट से जलने पर अत्यधिक काला निशान हो गया था, जो कि हाई वॉल्टेज करंट से ही हो सकता था, सोलर झटका मशीन से उतना करंट नहीं प्रवाहित हो सकता था। डॉक्टर की पी एम रिपोर्ट आने पर, रिपोर्ट में बताया गया कि मृतक की मृत्यु हाइवोल्टेज बिजली की करंट लगने से हुई है। जिससे पुलिस के सामने स्थिति स्पष्ट हो गई कि मृतक की मृत्यु बिजली करेंट लगने से हुई है, न कि सोलर झटका मशीन के करंट से। स्थिति स्पष्ट होने पर पुलिस के द्वारा मृतक के पिता, ग्रामीणों, गवाहों तथा घटना स्थल के खेत के मालिक आरोपी बलेरियम एक्का से बारीकी से पूछताछ करते हुए जांच विवेचना की जा रही थी।

राजधानी में छात्र-छात्राओं ने वाहन चालकों को पढ़ाया यातायात नियमों का पाठ

रायपुर। राजधानी रायपुर के राष्ट्रीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कचहरी चौक के छात्र-छात्राओं ने शास्त्री चौक पर सड़क पर वाहन चालकों को यातायात नियमों का पाठ पढ़ाया। यातायात जागरूकता अभियान की कड़ी में कचहरी चौक स्थित राष्ट्रीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं को दिनांक 10.10.2025 को यातायात नियमों की जानकारी दी गयी थी। आज दिनांक 15.10.2025 को शास्त्री चौक में राष्ट्रीय विद्यालय के 60 छात्र-छात्राओं द्वारा अपने खेल शिक्षक व यातायात पुलिस के प्रशिक्षक टीकेलाल भोई एवं आरक्षक सहदेव वर्मा के साथ यातायात नियम लिखे तख्ती लेकर शास्त्री चौक पर वाहन चालकों को यातायात नियमों का पाठ पढ़ाने सड़क पर उतरे। सिगनल में रूकने वाले वाहन चालकों को यातायात नियम दिखाकर पालन करने की समझाईश दी गयी। बच्चों ने दोपहिया चालकों से हेलमेट लगाने व चारपहिया चालकों से सीट बेल्ट लगाने की अपील की। स्टैंड वाली तख्तियों में रांग साइड वाहन न चलाए, दोपहिया चलाते समय हेलमेट धारण करें, नशे की हालत में वाहन न चलाए, सीट बेल्ट अवश्य लगाए, बिना लायसेंस वाहन न चलाये, निर्धारित पार्किंग स्थल में ही वाहन पार्क करें, सिगनल का पालन करें इत्यादि संदेश लिखे हुए थे।

मिट्टी के दीयों से घर-आंगन जगमगाने वाली ललमोतिया की दिवाली इस बार होगी खास

- महतारी वंदन योजना से मिली आर्थिक मदद से बढ़ाया उत्पादन, दोगुनी हुई कमाई
- अब वे पहले की तुलना में अधिक दीये बना रही हैं, जिससे बिक्री और आय दोनों में वृद्धि हुई है

रायपुर/ संवाददाता

अम्बिकापुर जिले के ग्राम कुमरता की कुम्हार महिला ललमोतिया की इस बार की दिवाली पहले से कहीं ज्यादा खास रहने वाली है। मिट्टी के दीये बनाकर लोगों के घरों को रोशन करने वाली ललमोतिया की मेहनत को अब शासन की महतारी वंदन योजना से नया सहारा मिला है। योजना से मिली आर्थिक सहायता के चलते उन्होंने इस वर्ष दीयों और कलशों की मात्रा बढ़ाई, जिससे उनकी कमाई दोगुनी हो गई है। ललमोतिया बताती हैं कि यह उनका पारंपरिक व्यवसाय है वे मिट्टी से दीये, कलश और अन्य सामग्री बनाकर जीवन-यापन करती हैं। पहले सीमित आमदनी के कारण उत्पादन बढ़ाना मुश्किल था, क्योंकि मिट्टी की व्यवस्था से लेकर भट्टी में पकाने तक हर चरण में मेहनत और खर्च दोनों अधिक लगते थे। लकड़ी, कोयला और अन्य सामग्रियों की व्यवस्था करने में भी कठिनाई होती थी। उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना के तहत हर माह मिलने वाले एक हजार रुपये को उन्होंने बचाकर दिवाली के लिए उपयोग किया। इस राशि से आवश्यक सामग्री खरीदी और उत्पादन की मात्रा बढ़ा दिया। अब वे पहले की तुलना में अधिक दीये बना रही हैं, जिससे बिक्री और आय दोनों में वृद्धि हुई है। पहले वे केवल अपने गांव के बाजार में सामग्री बेचती थीं, पर अब नवानगर, दरिमा, कर्रा और टपरकेला जैसे आसपास के बाजारों में भी अपने उत्पाद बेचने जाती हैं। ललमोतिया कहती है कि पहले लगा था कि पारंपरिक काम छोड़कर मजदूरी करनी पड़ेगी, लेकिन महतारी वंदन योजना ने हमारी उम्मीदों को फिर से जगाया। इस योजना ने न केवल हमारी आर्थिक स्थिति सुधारी है बल्कि हमारी कला और परंपरा को भी संजोने का अवसर दिया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि यह योजना उनके परिवार के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इस बार उनकी भी दिवाली खुशियों और रोशनी से भरपूर होगी।

छत्तीसगढ़ राज्य में तकनीकी शिक्षा को नई ऊँचाइयाँ मिले

एनईपी-2020 नए छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम-राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा.....

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से तकनीकी शिक्षा को मिली नई दिशा - तकनीकी शिक्षा मंत्री खुशवंत साहेब
- नवाचार, कौशल और भारतीय ज्ञान परंपरा को जोड़ना समय की आवश्यकता

रायपुर/ संवाददाता

राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के प्रभावी क्रियान्वयन विषय आयोजित कार्यशाला केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि नए छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजन 2047 के अनुरूप भारत को विकसित एवं समृद्ध राष्ट्र बनाने में नई शिक्षा नीति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। छत्तीसगढ़ शासन के तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री खुशवंत साहेब ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उद्देश्य केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रहकर विद्यार्थियों को व्यावहारिक, कौशल आधारित एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान करना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति से छत्तीसगढ़ राज्य में तकनीकी शिक्षा को नई ऊँचाइयाँ मिले राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के प्रभावी क्रियान्वयन एवं इस विषय पर मार्गदर्शन के उद्देश्य से आज रायपुर स्थित न्यू सर्किट हाउस में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला तकनीकी शिक्षा विभाग एवं स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, भिलाई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुई। मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि नई शिक्षा नीति भारत की शिक्षा व्यवस्था को 21 वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप ढालने की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल है। उन्होंने बताया कि राज्य में अब तकनीकी शिक्षा संचालनालय के अधीनस्थ तथा स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी शासकीय एवं निजी महाविद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि एनईपी-2020 से तकनीकी शिक्षा को नई दिशा मिली है, जिसमें कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार को विशेष प्राथमिकता दी गई है।

संपादकीय

सड़कें सिर्फ गाड़ियों के लिए हैं क्या? पैदल यात्रियों का हक आखिर कौन मानेगा?

देश में ज्यादातर सड़कें मुख्य रूप से वाहनों को ध्यान में रख कर ही बनाई गई हैं, जिससे पैदल यात्रियों को अपनी सुरक्षा के लिए जद्दोजहद करनी पड़ती है। सड़कों पर पैदल चलने वालों को सुरक्षा का उतना ही अधिकार है, जितना वाहनों में सवार लोगों का होता है। इस पर गौर करना जरूरी है कि सड़कें केवल वाहनों के लिए नहीं हैं, पैदल यात्रियों को भी उन पर चलने का हक है। यातायात नियम भी सभी पर लागू होते हैं। मगर सवाल है कि क्या पैदल यात्रियों की सुरक्षा को गंभीरता से लिया जा रहा है? हर वर्ष सड़क हादसों में जान गंवाने वालों में बड़ी संख्या पैदल यात्रियों की होती है। यह सड़कों पर पैदल चलने वालों की सुरक्षा में एक गहरी प्रणालीगत विफलता है।यही वजह है कि अब सर्वोच्च न्यायालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पैदल यात्रियों तथा गैर-मोटर चालित वाहनों के लिए नियम बनाने का निर्देश दिया है। इसके लिए छह माह की समय सीमा तय की गई है। हालांकि, कुछ राज्य इस दिशा में पहले ही कदम बढ़ा चुके हैं, लेकिन उनकी नियमावली या तो पूरी तरह स्पष्ट नहीं है या फिर उन पर कड़ाई से अमल नहीं हो पा रहा है।देश में सड़क सुरक्षा की स्थिति क्या है, इसका अंदाजा केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की ओर से पिछले दिनों जारी एक रपट से लगाया जा सकता है। इसके मुताबिक, वर्ष 2023 में देश भर में 4.8 लाख से ज्यादा सड़क हादसे हुए हैं। इनमें से करीब 1.72 लाख लोगों की मौत हो गई और 4.62 लाख लोग घायल हुए। इन हादसों में जान गंवाने वालों में 68 फीसद पैदल यात्री और दोपहिया सवार शामिल थे। यह आंकड़ा बताता है कि सड़कों पर सबसे ज्यादा खतरा पैदल चलने वालों और दोपहिया चालकों को होता है।दरअसल, देश में ज्यादातर सड़कें मुख्य रूप से वाहनों को ध्यान में रख कर ही बनाई गई हैं, जिससे पैदल यात्रियों को अपनी सुरक्षा के लिए जद्दोजहद करनी पड़ती है। यह बात छिपी नहीं है कि अधिकांश शहरों में फुटपाथ या तो हैं ही नहीं या वे टूटे हुए हैं या फिर उन पर अतिक्रमण हो गया है। इस वजह से नागरिकों को मुख्य सड़कों पर चलने के लिए विवश होना पड़ता है, जहां तेज रफ्तार वाहनों से हमेशा हादसे का खतरा बना रहता है। सड़कों पर यातायात को सुचारु रूप से संचालित करने और सुरक्षा के लिए देश में मोटर वाहन अधिनियम बनाया गया है, मगर उसमें 'पैदल चलने के अधिकार' को स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं किया गया है। भारतीय सड़क कांग्रेस ने वर्ष 2012 में फुटपाथों को लेकर कई सुझाव दिए थे, जिनमें पैदल चलने के लिए कम से कम 1.8 मीटर चौड़ा और बाधा-मुक्त क्षेत्र बनाने का सुझाव भी शामिल था।

दशहरा और दीवाली के बीच के ये बीस दिन

संपूर्ण राष्ट्र और समाज को एक सूत्र में समरस होने की अवधि

रमेश शर्मा

विजयदशमीं और दीपावली के बीच ये बीस दिन संपूर्ण समाज और राष्ट्र को एक सूत्र में समरस होने की अवधि है। इसका बहुत स्पष्ट संदेश लंका विजय के बाद श्रीरामजी के अयोध्या लौटने की तैयारी में भी दिया है और इसे लोकजीवन में दीपावली की तैयारी से भी समझा जा सकता है। भारतीय वाङ्मय की प्रत्येक पुराण कथा, अवतारों की अवधारणा अथवा तीज त्यौहार मनाने की परंपरा साधारण नहीं है। इसके पीछे आदर्श समाज निर्माण, प्रत्येक प्राणी और प्रकृति से समन्वय का संदेश है। यदि वसुधैव कुटुम्बकम कहा है तो यह केवल सिद्धांत नहीं है। इसे व्यवहारिक जीवन में उतारने का संदेश सभी तीज त्यौहार में दिया गया है। अब विजय दशमीं के बाद दीपावली तैयारी की इन बीस दिनों की अवधि को ही देखें, इसमें संपूर्ण समाज एक दूसरे का पूरक है, एक दूसरे पर आधारित है। मानों संपूर्ण राष्ट्र समरसता की एक माला में पिरोया हुआ है। यही कार्य रामजी ने लंका विजय के बाद किया था और यही परंपरा दीपावली की तैयारी में है।

रावण वध के बाद के बीस दिन

रावण वध के बाद रामजी को अयोध्या लौटने में पूरे बीस दिन लगे थे। यह अवधि अनावश्यक विलंब या विजय का उत्सव मनाने की नहीं है अपितु रामजी द्वारा पूरे भारतवर्ष और प्रत्येक समाज को समरस बनाकर एक सूत्र में पिरोने की अवधि है। इसका स्पष्ट वर्णन रामचरितमानस में है। रावण वध अश्विन माह शुक्लपक्ष दशमीं को हो गया था। लेकिन रामजी कार्तिक मास की अमावस को अयौध्या लौटे। इन दोनों तिथियों में बीस दिन का अंतर है। बीस दिन की इस अवधि में लंका में नहीं रुके थे। केवल दो दिन लंका में रुके थे। रावण वध के बाद रामजी अपने सैन्य शिविर में रहे। उन्होंने विभीषण से युद्ध में मारे गये रावण सहित सभी परिजनों का अंतिम संस्कार करने को कहा। इसमें एक दिन लगा। अगले दिन विभीषण का राज्याभिषेक हुआ। राज्याभिषेक के बाद विभीषण स्वयं सीता माता को सम्मान सहित लेकर रामजी के पास लेकर आये। विभीषण विभिन्न भेंट और पुष्पक विमान भी अपने साथ लेकर आये थे ताकि रामजी तुरन्त अयोध्या लौट सकें। ये मिलाकर कुल दो दिन हुये।

पुष्पक विमान साधारण नहीं था वह दिव्य था जो पवन से तीव्रगति से चल सकता था। उसमें यात्रियों के बैठने की क्षमता भी असीम थी। यात्रियों की संख्या बढ़ने के साथ उसका विस्तार हो सकता था। रामजी पुष्पक विमान द्वारा उसी साँझ लंका से चल दिये थे। वे चाहते तो कुछ घंटों में ही अयोध्या आ सकते थे। लेकिन उन्हें मार्ग में अठारह दिन लगे और कार्तिक मास की अमावस को अयोध्या लौट सके। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि रामजी ने पुष्पक विमान में बैठकर सीधे अयौध्या का मार्ग क्यों नहीं पकड़ा था और उन्हें य। अठारह दिन कहाँ लगे? इस प्रश्न का समाधान रामजी के लौटने के विवरण में है। लौटने केलिये रामजी ने उसी मार्ग से अपनी यात्रा आरंभ की, जिस मार्ग से वे लंका गये थे। लौटने की अपनी यात्रा में रामजी उन सभी वन्य और ग्राम्य क्षेत्रों के निवासियों से मिले जिनसे जाते समय मिले थे। लौटने में रामजी उन सभी ऋषि आश्रमों में भी गये जिनमें जाते समय गये थे। लौटते समय भी रामजी ने सभी समाज प्रतिनिधियों से भेंट की जिनसे जाते समय मिले थे। इतना ही नहीं, वनवासियों से लेकर ऋषि आश्रमों तक सबको अयोध्या आने का आमंत्रण भी दिया। जो समाज प्रमुख उनके साथ ही चलने को तैयार हो गये उन सबको अपने साथ पुष्पक विमान में बैठा लिया। इनमें भील समाज के मुखिया, निषाद, किरात आदि समाज प्रमुख थे। रामजी ने हर स्थान पर एक एक रात्रि भी बिताई। इसी कार्य में उन्हे अट्ठारह दिन लगे ।

इन अठारह दिनों में रामजी ने पूरे भारत और सभी समाज जनों को स्वयं से जोड़ा और सबको

परस्पर जुड़ने का संकल्प भी दिलाया । चूँकि दानवी शक्तियाँ सात्विक समाज के विखराव का ही लाभ उठातीं हैं। यदि समाज संगठित है, जागरूक है, एक सूत्र में आबद्ध है तो आसुरी शक्तियाँ कभी प्रभावी नहीं हो सकती । इसके साथ रामजी ने यह संदेश भी दिया कि उन लोगों के प्रति सदैव आभार का भाव रखना चाहिये जो असामान्य दिनों में सहयोगी बनते हैं।

दीपोत्सव की तैयारी में भी संपूर्ण समाज के एक सूत्र होने की झलक

रामजी ने जो संदेश लंका से अयोध्या लौटने की यात्रा में दिया था वही संदेश आज भी दीपावली की तैयारी में झलकता है । रामजी के अयोध्या लौटने पर केवल दीप जलाने परंपरा होती तो यह कार्य तो एक ही दिन में हो सकता है। लेकिन दीपावली एक दिन का उत्सव नहीं है। यह त्यौहार पूरे पांच दिन का है और इसकी तैयारी में पूरे अठारह बीस दिन लग जाते हैं। यह पाँच दिवसीय त्यौहार और इसकी तैयारी संपूर्ण समाज को एक सूत्र में जोड़ती है। इसमें संपूर्ण समाज की प्रत्यक्ष या परोक्ष सहभागिता होती है। त्यौहार की तैयारी, साफ सफाई, लिपाई पुताई, पुरानी वस्तुओं को हटाना और नयी वस्तुओं के क्रय करने में समाज का ऐसा कौन सा वर्ग है जिसकी सहभागिता नहीं होती । घर की झाड़ू से लेकर स्वर्णाभूषण तक सभी वस्तुएँ क्रय की जातीं हैं। समाज का ऐसा कौनसा वर्ग या व्यक्ति है जिसे भेंट नहीं दी जाती । यही तो सर्व समाज की सहभागिता और सहयोग है। दीपावली की पूजन में जो वस्तुएँ अनिवार्य बताई गई हैं उनका संबंध भी समाज के प्रत्येक शिल्प समूह से है।

रामजी ने श्रीलंका से लौटते समय संपूर्ण समाज को एकत्व का यही संदेश दिया कि संपूर्ण भारतीय समाज संगठित रहे, परस्पर सहयोगी रहे। तभी आसुरी शक्तियों से सभ्य सुसंस्कृत समाज सुरक्षित रहेगा। हम आज भले मूल उद्देश्य का स्मरण न करते हों पर समाज को जोड़ने जुड़ने की प्रक्रिया यथावत है। साफ सफाई, लिपाई पुताई से लेकर नयी वस्त्र वर्तन आभूषण, घर या भवन को सजाने की वस्तुएँ क्रय करते हैं जिससे हर हाथ को काम मिले। सबको एक दूसरे की आवश्यकता अनुभव हो। सब एक दूसरे का महत्व समझे। सब एक दूसरे का सहयोग करें तब ही तो सबकी दीवाली मनती है ।

भारतीय संस्कृति एक मात्र ऐसी मानवीय मूल्यों को महत्व देती है इसमें संसार का एक एक प्राणी समाया है । त्यौहारों की परंपराओं का संदेश भी यही है कि विभिन्न समाजों और वर्गों का एक एक व्यक्ति परस्पर जुड़ सके, एक दूसरे का पूरक बन सके। इसमें कोई भेद नहीं। न नगरवासी का, न ग्रामवासी का और न कोई वन के निवासी का । भारतीय संस्कृति में न जन्म का भेद है, न वर्ग का, न वर्ण का भेद है और न जाति का । यह गुण और कर्म पर आधारित है । इसीलिए निषाद किरात और वनावासी सुग्रीव सब रामजी के मित्र हैं। जो अंतर हमें दिखाई देता है, वह केवल वाह्य स्वरूप है। जिस प्रकार भूमि के हर हिस्से में एक ही प्रकार के फल फूल या फसल नहीं होते। हर पर्वत पर एक सी औषधि नहीं होती। लेकिन सब एक दूसरे के पूरक हैं। एक के बिना दूसरे का अस्तित्व नहीं है। उसी प्रकार प्राणियों की भाव भाषा में विविधता भी देशकाल और परिस्थिति के अनुरूप है। समय के साथ व्यक्ति अथवा समाज की जीवन शैली विकास की धारा है।इसी आधार पर समूह बने जिन्होंने वर्ग या उपवर्ग बने। लेकिन आतंरिक स्वरूप में कोई अंतर नहीं। ग्रामवासियों और वनवासियों जो वर्ग उपवर्ग भील गौंड, कोल, कोरकू माढ़िया मुंडा आदि आज हैं, वे वर्ग उपवर्ग रामायण काल में भी थे। लेकिन उनमें मानवीय सम्मान में कोई भेद नहीं था। तभी तो रामजी इन सभी वर्ग और उपवर्ग समूहों के बीच रहे और लौटते समय उन सबके मुखियाओं को पुष्पक विमान में अपने साथ लेकर अयौध्या आये। जिस प्रकार एक ही वृक्ष की शाखाएं अलग-अलग दिशाओं में फैलती हैं या उसके पके हुये फल से निकला बीज किसी दूसरे स्थान पर पनप जाता है और नया वृक्ष बन जाता है उसी समाज का विस्तार होता है। विश्व की संपूर्ण मानवता का केन्द्रीभूत विन्दु तो एक ही है । इसी भाव से भरा हुआ रामजी का आचरण और यही संदेश दीपावली की तैयारी में है। भले रामायण काल को बीते हजारों वर्ष बीत गये। दासत्व का अंधकार भी सैकड़ों साल रहा फिर भी भारतीय जीवन में यह परंपरा आज भी बनी हुई । इसीलिए दीपावली पर केवल दीपोत्सव नहीं होता, यह समूचे समाज का कायाकल्प होता है । धन से भी, श्रम से भी, परस्पर आदान प्रदान से भी और भेंट मिलाप से भी। इस प्रकार विजयदशमीं से दीपावली के बीच बीस दिन की यह अवधि संपूर्ण राष्ट्र और समाज वर्गों को परस्पर समरूप होने और एक दूसरे का पूरक बनने की बनने और बनाने की अवधि है।

जनरल से जवान तक एक कसौटी, इंडियन आर्मी ने बनाई नई फिटनेस पालिशी

(नीरज कुमार दुबे)

भारतीय सेना ने एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है कि अब से केवल जवान ही नहीं, बल्कि ब्रिगेडियर, मेजर जनरल और लेफ्टिनेंट जनरल जैसे शीर्ष अधिकारी भी हर वर्ष दो बार शारीरिक फिटनेस परीक्षण देंगे। यह संयुक्त शारीरिक परीक्षण अगले वर्ष अप्रैल से लागू होगा और इसका उद्देश्य है फिटनेस को रैंक से ऊपर रखकर युद्धक तैयारी को नया आयाम देना।

हम आपको बता दें कि अब तक सेना में दो अलग-अलग मानक थे। युद्धक शारीरिक दक्षता परीक्षा , 45 वर्ष तक के सैनिकों और अधिकारियों पर लागू थी। तथा शारीरिक दक्षता परीक्षा 50 वर्ष तक के अधिकारियों पर लागू थी। अब इन दोनों को मिलाकर एक ही प्रणाली बनाई गई है- सीपीटी (कंबाइंड फिजीकल टेस्ट) । इसमें उम्र की ऊपरी सीमा 60 वर्ष कर दी गई है। इसका अर्थ है कि अब शीर्ष तीन-सितारा अधिकारी तक इस दायरे में आएंगे।

कंबाइंड फिजीकल टेस्ट में क्या-क्या शामिल है, इस पर गौर करें तो आपको बता दें कि 3.2 किलोमीटर दौड़ (या तेज चाल) 4.5 किलो वजन के साथ, पुश-अप्स, सिट-अप्स और रस्सी चढ़ना। हर प्रतिभागी को न्यूनतम 6 ग्रेड प्राप्त करना अनिवार्य होगा, अन्यथा उसकी पदोन्नति पर प्रभाव पड़ सकता है। इसके अलावा, 55 वर्ष तक अधिकारी 'निगरानी में' यह परीक्षण देंगे और उसके बाद 60 वर्ष तक 'स्व-मूल्यांकन' के आधार पर फिटनेस की पुष्टि करेंगे।

देखा जाये तो आज के युद्धक्षेत्र का स्वरूप पहले जैसा नहीं रहा। यह अब केवल 'शक्ति के टकराव' का नहीं, बल्कि 'सहनशक्ति और तत्परता' का युद्ध है। हाइब्रिड वॉरफेयर, मल्टी-डोमेन ऑपरेशंस, काउंटर-इंसर्जेंसी और सीमित संसाधनों में त्वरित प्रतिक्रिया, इन सबके लिए सैनिक का शारीरिक और मानसिक रूप से उच्चतम स्तर पर रहना आवश्यक है। डिजिटलाइजेशन और ड्रोन-आधारित युद्धक प्रणालियों के बावजूद, 'मानव शरीर' ही हर सैन्य अभियान का केंद्रबिंदु है। इसलिए सेना का यह फैसला केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि रणनीतिक दृष्टि से आवश्यक कदम है।

सेना ने दो अलग-अलग प्रणालियों को समाप्त कर एकीकृत सीपीटी लागू किया है तो इसका अर्थ है संचालनात्मक एकरूपता । अब रैंक, आयु या लिंग के अनुसार अलग-अलग मानक नहीं होंगे, बल्कि एक समन्वित तालिका होगी, जो सभी को समान मापदंडों पर परखेगी। इससे दो प्रमुख लाभ होंगे। पहला- अब फिटनेस का मूल्यांकन स्पष्ट, तुलनीय और निष्पक्ष होगा। दूसरा- अलग-अलग परीक्षणों की जगह एकीकृत प्रणाली अपनाने से प्रशासनिक दक्षता बढ़ेगी। यह सुधार केवल शारीरिक फिटनेस नहीं बल्कि संस्थागत फिटनेस का भी प्रतीक है, यानी एक ऐसी सेना जो खुद को बदलते समय के अनुसार ढालने की क्षमता रखती है। हम आपको यह भी बता दें कि भारतीय सेना ने हाल के वर्षों में कई सुधार आरंभ किए हैं। अग्निपथ योजना के ज़रिए जवानों की औसत आयु घटाकर युवा प्रोफ़ाइल बनाई गई, थियेटर कमांड संरचना की दिशा में कदम बढ़ाए गए और अब यह फिटनेस का आधुनिकीकरण उसी प्रक्रिया का अगला चरण है। इससे यह संदेश जाता है कि भारतीय सेना न केवल हथियारों से, बल्कि मानवीय गुणवत्ता और आत्म-अनुशासन से भी युद्धक क्षमता बढ़ा रही है। यह कदम सैन्य नैतिकता में भी एक नए युग की शुरुआत है– जहाँ सीनियरिटी से ज़्यादा फिटनेस और पद से ज़्यादा उदाहरण मायने रखेगा।

सेना का यह निर्णय एक संदेश और संकल्प दोनों है। संदेश यह कि हर रैंक पर सैनिक वही है जो मैदान में सक्रिय रह सके और संकल्प यह कि सेना केवल युद्ध नहीं लड़ती, वह राष्ट्र को आत्मबल और अनुशासन की प्रेरणा भी देती है। देखा जाये तो संयुक्त शारीरिक परीक्षण भारतीय सेना को नयी पीढ़ी की फोर्स के रूप में गढ़ने का प्रयास है- जहाँ फिटनेस, तैयारी और नेतृत्व एक-दूसरे के पूरक हों। कुल मिलाकर देखें तो फिटनेस अब केवल सैनिक की शर्त नहीं, बल्कि नेतृत्व की पहचान है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

देश में महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधिक मामलों में बंगाल सबसे आगे

अशोक भाटिया

पश्चिम बंगाल के बर्धमान जिले के दुर्गापुर में एक मेडिकल कॉलेज की द्वितीय वर्ष की छात्रा के साथ गैंगरेप की सनसनीखेज वारदात हुई है। पीड़िता ओडिशा के जलेश्वर की रहने वाली है। शुक्रवार रात कॉलेज परिसर के बाहर आरोपियों ने उसे अगवा कर लिया। उसे जंगल में ले जाकर अपनी हवस का शिकार बनाया। पुलिस ने हमेशा की तरह आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करके इस मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जाता है कि ये घटना उस समय हुई जब छात्रा अपनी एक सहेली के साथ रात का खाना खाने के लिए कॉलेज परिसर से बाहर गई थी। शुक्रवार रात करीब 8 से 8.30 बजे के बीच तीन युवक उनके पास पहुंचे। उन्हें देखकर छात्रा की सहेली घबरा गई और मौके से भाग निकली। इसके बाद आरोपियों ने पीड़िता का मोबाइल फोन छीन लिया और उसे जबरन पास के जंगल में ले गए। वहां तीनों ने छात्रा को अपनी हवस का शिकार बना डाला। दरिंदगी के बाद उन तीनों ने उसे धमकाया गया कि यदि उसने किसी को कुछ बताया तो अंजाम गंभीर होंगे। आरोपी जाते-जाते यह भी कह गए कि मोबाइल वापस चाहिए तो पैसे देने होंगे। इस वारदात के बाद पीड़िता की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। उसे दुर्गापुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। हाल ही में जब आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर के साथ हुए दुष्कर्म और हत्याकांड की पहली बरसी पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव और पश्चिम बंगाल के केंद्रीय पर्यवेक्षक अमित मालवीय ने ममता बनर्जी सरकार पर महिलाओं की सुरक्षा में विफल रहने का गंभीर आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ रहे हैं और सरकार इस दिशा में ठोस कदम उठाने में नाकाम रही है।

श्री मालवीय ने सोशल मीडिया पर एक्स पर शनिवार को आंकड़ों के साथ एक बयान जारी कर कहा कि पश्चिम बंगाल महिलाओं के लिए देश के सबसे असुरक्षित राज्यों में से एक बन गया है। उन्होंने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि वर्ष 2022 में राज्य में महिलाओं के खिलाफ 34 हजार 738 अपराध दर्ज हुए, जिससे यह देश के शीर्ष पांच राज्यों में शामिल है। उनके अनुसार, राज्य की अपराध दर 71:8 प्रति एक लाख आबादी है, जो राष्ट्रीय औसत 65:4 से अधिक है। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि अगस्त 2024 तक पश्चिम बंगाल में बलात्कार और पॉक्सो से जुड़े 48 हजार 600 मामले लंबित हैं, जबकि फास्ट-ट्रैक विशेष अदालतें मौजूद हैं। मालवीय

20 वर्षों में बिहार ने बुना ग्रामीण सड़कों का मजबूत नेटवर्क

(जीतू नागपुरे)

पिछले 20 वर्षों में राज्यभर में कुल एक लाख, 19 हजार किलोमीटर से भी अधिक सड़कों का निर्माण कार्य पूरा किया गया है।विगत दो दशकों में राज्य में कुल ग्रामीण सड़कों का नेटवर्क 8,000 कि.मी. से बढ़कर 1,19,000 कि.मी. से भी अधिक हो गया है।ग्रामीण सड़कें सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा मिलता है। पिछले 20 वर्षों में बिहार ने ग्रामीण सड़कों के निर्माण में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। जिससे न केवल राज्य के सुदूर गांवों से शहरों की दूरी कम हुई है, बल्कि ग्रामीण सड़कों ने गांव से गांवों की दूरी भी मिटा दी है।

पिछले 20 वर्षों में राज्यभर में कुल एक लाख, 19 हजार किलोमीटर से भी अधिक सड़कों का निर्माण कार्य पूरा किया गया है।विगत दो दशकों में राज्य में कुल ग्रामीण सड़कों का नेटवर्क 8,000 कि.मी. से बढ़कर 1,19,000 कि.मी. से भी अधिक हो गया है। ग्रामीण कार्य

विभाग द्वारा पिछले 20 वर्षों में 2,560 पुलों का भी निर्माण कराया है। जो राज्य की 1 लाख, 20 हजार से भी अधिक ग्रामीण बसावटों को बारहमासी सड़क संपर्कता उपलब्ध करा रही हैं। जिससे राज्य के ग्रामीण इलाकों अब हर मौसम में यातायात व्यवस्था को सुगमता प्रदान हुई है। इस 'सड़क क्रांति' ने राज्य के बुनियादी ढांचे को मजबूती प्रदान करने के साथ-साथ ग्रामीण संपर्क में भी सुधार किया है। जिससे बिहार की ग्रामीण आबादी को शिक्षा, स्वास्थ्य और अपने रोजगार तक पहुंचने का एक सुगम मार्ग भी उपलब्ध कराया जा सका है। ग्रामीण कार्य विभाग के अनुसार ग्रामीण पथ अनुरक्षण नीति-2018 के तहत राज्यभर में कुल 36,894 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का अनुरक्षण भी सफलतापूर्वक किया गया है। विभाग के अनुसार फिलहाल राज्य में 12,500 ग्रामीण सड़कों के निर्माण का काम प्रगति पर है। साथ ही, 1,791 ग्रामीण पुलों के निर्माणकार्य को भी तेजी से पूरा किया जा रहा है।बिहार के ग्रामीण इलाकों में सड़कों का यह जाल, ग्रामीण आबादी को यातायात के सुगम साधन से जोड़ रहा है तथा गांवों के उद्योगों को भी शहरों के बाजार से जोड़ रहा है। आज सड़कों के नेटवर्क से किसानों को उनके उत्पाद का सही मूल्य मिलने लगा है। इन अभूतपूर्व बदलाव से राज्य में प्रति व्यक्ति आय में 700 प्रतिशत से भी अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। यह वृद्धि बिहार में गांवों के बारहमासी सड़कों से जुड़ने की वजह से सम्भव हो पाया है। इन सड़कों के निर्माण का सकारात्मक परिणाम यह भी है कि राज्य में नये उद्योगों की स्थापना, पयर्टन स्थलों पर पर्यटकों के आने की संख्या में लगातार वृद्धि के साथ-साथ व्यापार को भी बढ़ावा मिला है।

बिहार का सड़क दुर्घटनाओं में घायल हुए या मारे गए लोगों को मुआवजा देने में देश में पहला स्थान है। मोटर दुर्घटना पीड़ितों को मुआवजा देने की योजना के अंतर्गत गंभीर चोट लगने पर 50 हजार और मृत्यु होने पर 2 लाख रुपये देने का प्रावधान है। इसके तहत जनरल इंश्योरेंस काउंसिल (जीआईसी) के पास हिट एंड रन से जुड़े 9 हजार 80 मामले अंतिम अनुमति के लिए भेजे गए हैं, ताकि इन्हें मुआवजा दिलाया जा सके। इसमें अब तक 5 हजार 830 मामलों में पीड़ितों को मुआवजा दिया गया है। यह जानकारी एडीजी (ट्रैफिक) सुधांशु कुमार ने शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय सरदार पटेल भवन के सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में दी थी। एडीजी ने कहा कि पिछले डेढ़ से दो साल में 1626 मामलों में 84 करोड़ 19 लाख रुपये का मुआवजा दिया गया है। सड़क दुर्घटना से जुड़े मामलों का समय पर निपटारा करने के लिए 10 जिलों पटना, सारण, पूर्णिया, गयाजी, डेहरी, सहरसा, मुंगेर, दरभंगा, मुजफ्फरपुर और भागलपुर में एमएसीटी (मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण) का गठन किया गया है। इसमें 6 महीने, 9 महीने और अधिकतम 12 महीने में मामलों का निपटारा पूरा करने का प्रावधान किया गया है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

आगामी धान खरीदी कार्य को पारदर्शिता और सतर्कता के साथ करें संपादन : कलेक्टर हरिस एस

जगदलपुर। कलेक्टर हरिस एस ने कहा कि आगामी धान खरीदी कार्य को पारदर्शिता और सतर्कता के साथ संपादन किया जाए। उन्होंने धान खरीदी केन्द्र की प्राथमिक तैयारी के संबंध में चर्चा करते हुए 12 संवेदनशील धान खरीदी केन्द्रों के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त करने तथा सीमावर्ती जांच नाकों पर अधिकारियों की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने सभी एसडीएम और तहसीलदार को अपने अनुभाग क्षेत्र में लगातार छापामार कार्यवाही करने के लिए निर्देशित भी किया। कलेक्टर हरिस ने मंगलवार की शाम जिला कार्यालय के प्रेरणा सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक लेकर अधिकारियों को उक्त निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस के एजेंडा पर जिला स्तर पर महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु चर्चा करते हुए कहा कि शासन की फ्लैगशिप योजनाओं का क्रियान्वयन शत-प्रतिशत किया जाना है। उन्होंने जिले में गिरदावरी कार्य के तहत डीसीएस रिपोर्ट एवं गिरदावरी रिपोर्ट में पाए गए अंतर का समितिवार जांच कर सुधार करवाने के निर्देश दिए। धान संग्रहण केंद्र से पिछले वर्ष की धान का उठाव नहीं हुआ उसके संबंध में भी चर्चा किए। समिति स्तर से भी एग्रीस्टैक में पंजीयन बढ़ाएं। पंचायतों में एग्रीस्टैक पंजीयन की सूचना के तहत चस्पा कर किसानों को जानकारी दी जाए, बिना एग्रीस्टैक पंजीयन के धान की विक्रय नहीं किया जा सकेगा इसलिए इसका व्यापक प्रचार-प्रसार करें। पीएम किसान सम्मान निधि में एक माह के अंदर लक्षित किसानों को चिन्हाकित करना है और हितग्राहियों के आवश्यक दस्तावेजों की जांच करना एवं एफआरए हितग्राहियों की भी सूची तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नामांतरण के कार्य में लापरवाही होने पर संबंधितों के खिलाफ कार्यवाही की जाए। कलेक्टर ने पीएम सूर्यघर विद्युत योजना के क्रियान्वयन के संबंध चर्चा किया गया, जिले में लगभग 58 हितग्राहियों के घरों पर सूर्यघर सोलर प्लांट स्टॉलेशन किया गया है और लगभग 1007 आवेदन प्राप्त हुए हैं। कलेक्टर ने शहर व ग्रामीण क्षेत्र में जनप्रतिनिधियों को भी प्रोत्साहित करते हुए आम नागरिकों को सूर्यघर योजना के लिए जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने बैंक से भी लोन दिलवाने की पहल करवाने कहा, साथ ही सभी ब्लॉक में 500-500 का लक्ष्य लेकर काम करवाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किए। कलेक्टर ने बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण और शहरी) के क्रियान्वयन में मॉडल के रूप में प्लान करके निमार्णाधीन आवासों को नवम्बर माह तक निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने कहा। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के 15 इंडिकेटर पर चर्चा किए। उन्होंने कहा कि पोषण पुनर्वास के बाद बच्चों का फालोअप स्वास्थ्य जांच जरूर करवाएं। साथ ही टेली कंसेल्टेशन, आरोग्य मंदिर की स्वास्थ्य जांच के लक्ष्य का बढ़ाने के निर्देश दिए। जिले में संचालित नर्सिंग होम एवं क्लीनिकों की स्थिति की समीक्षा करते हुए नर्सिंग होम नियमों के पालन करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड, वय वंदना कार्ड के लिए आधार कार्ड बेस पर बनवाने की कार्यवाही करें। इसके अलावा किसी गांव में मलेरिया का केस मिलने पर पूरा गांव को लक्ष्य कर आवश्यक स्वास्थ्यगत कार्यवाही करें। कलेक्टर ने शिक्षा विभाग के ऑकेशनल शिक्षा के ट्रेड के तहत स्कूली स्तर पर संचालित कार्यों की सभी एसडीएम को जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएम ई-चैनल की कार्यवाही पर कार्ययोजना बनाकर देने कहा। इसके अलावा शाला त्यागी की स्थिति की समीक्षा शाला विकास समिति की बैठक के दौरान प्रत्येक माह जरूर करें। साथ ही सरस्वती सायकल योजनांतर्गत सायकल वितरण स्थिति की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। अपार आईडी बनाने की प्रगति पर भी चर्चा किए और एक-एक ब्लॉक के अनुसार कार्यवाही करने कहा। साथ ही स्कूली बच्चों का आयुष्मान-आधार कार्ड बनाने पर पहल किए जाने के निर्देश दिए। आदि कर्मयोगी की प्रगति, पीएम कौशल विकास के लाइवलीहुड कालेज में प्रशिक्षण की कार्ययोजना पर चर्चा किए। उन्होंने मत्स्यपालन को रबी सीजन के दौरान भी बढ़ावा देने हेतु नदी किनारे स्थित खेतों के किसानों को मत्स्यपालन के लिए प्रोत्साहित करने पर चर्चा किए। कलेक्टर ने सभी विभागों को जेम्स पोर्टल में उपलब्ध सामानों के खरीदी के लिए जिला स्तरीय समिति के माध्यम से जांच करवाने के बाद खरीदी करने के निर्देश दिए।

संयुक्त संचालक (शिक्षा) बस्तर संभाग के विरुद्ध प्रदेश शिक्षक कल्याण संघ ने मंत्री से की शिकायत

जगदलपुर। प्रदेश शिक्षक कल्याण संघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष राजकिशोर तिवारी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने मंत्री केदार कश्यप से नवा रायपुर स्थित उनके निवास में भेंट की। इस दौरान प्रतिनिधि मंडल ने संयुक्त संचालक (शिक्षा) बस्तर संभाग राकेश पांडे की अमानवीय एवं तानाशाही कार्यशैली तथा शिक्षकों के प्रति अनुचित व्यवहार की लिखित शिकायत मंत्री को सौंपा। प्रदेश अध्यक्ष तिवारी ने अवगत करवाया कि, संयुक्त संचालक (शिक्षा) के द्वारा शिक्षकों को मानसिक रूप से प्रताडित किया जा रहा है। शिक्षकों के ऑडियो वीडियो बनाकर वेतन रोके जाने, वार्षिक वेतनवृद्धि (इंक्रीमेंट) स्थगित करने तथा निलंबन की धमकी देकर भय और असुरक्षा का वातावरण निर्मित किया जा रहा है। यहां तक कि कारण बताओ सूचना मिलने पर जब शिक्षक कार्यालय पहुँचते हैं तो उन्हें अपमानित कर भगा दिया जाता है। संघ ने मंत्री से आग्रह किया है कि ऐसे अधिकारियों को या तो अपनी कार्यशैली सुधारने हेतु निर्देशित किया जाए अथवा अन्यत्र स्थानांतरण किया जाये।संघ ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही आवश्यक कार्रवाई नहीं की गई, तो संगठन आंदोलनात्मक कदम उठाने के लिए बाध्य होगा।

पटाखा दुकानों में निर्धारित सुरक्षा मानकों का परिपालन सुनिश्चित करने के निर्देश

- सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर सम्बंधित दुकान संचालकों के विरुद्ध होगी कार्यवाही
- नागरिकों से आतिशबाजी करने के दौरान सतर्कता बरतने की अपील

जगदलपुर। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी हरिस एस के निदेर्शानुसार जिला सेनानी नगर सेना एवं जिला अग्निशमन अधिकारी द्वारा दीपावली पर्व के दौरान पटाखा दुकानों पर निर्धारित सुरक्षा मानकों का परिपालन सुनिश्चित करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किया गया है। उक्त सम्बन्ध में जारी परिपत्र में कहा गया है कि दीवाली पर्व के दौरान अस्थायी संरचना एवं पण्डालों में संचालित पटाखा दुकानों में निर्धारित सुरक्षा मापदंडों का पालन करने सहित अग्निशमन यंत्र को दुकानों पर रखते हुए आवश्यक सावधानियों को अपनाया जाए। किसी भी तरह की चूक अथवा सुरक्षा का पालन नहीं किए जाने पर संबंधित संचालक व दुकानदार स्वयं जिम्मेदार होंगे और संबंधित दुकान संचालक के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। पटाखा दुकान रिहायशी एवं बाजार के पास नहीं खोला जाए। पटाखा दुकान का निर्माण किसी भी ज्वलनशील पदार्थ जैसे कपड़ा, बांस, रस्सी, टेंट इत्यादि का न होकर अज्वलनशील सामग्री से बने टिन शेड द्वारा निर्मित होना चाहिए तथा अग्निमंदक घोल से उपचारित किया होना चाहिए। पटाखा दुकान एक दूसरे से कम से कम 03 मीटर साईड पर एवं एक दूसरे के सामने न बनाई जाए। साथ ही प्रकाश व्यवस्था हेतु किसी भी प्रकार के तेल का लैंप, गैस लैंप एवं खुली बिजली बत्ती का प्रयोग प्रतिबंधित किया गया है। किसी भी पटाखा दुकान से 50 मीटर के अंदर आतिशबाजी प्रदर्शन प्रतिबंधित है। जिला अग्निशमन अधिकारी द्वारा आम नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि स्वयं की सुरक्षा के मद्देनजर आतिशबाजी के दौरान सतर्कता बरतने के साथ ही बच्चों को आतिशबाजी से मनाही करें। वहीं सूखे घास, पैरावट इत्यादि के पास कदापि आतिशबाजी न किया जाए।

किरंदुल बाजार के समीप आयुष चिकित्सा शिविर का किया गया आयोजन

किरंदुल। संचनालय आयुष छत्तीसगढ़ रायपुर एवं आयुष अधिकारी दंतेवाड़ा के मार्गदर्शन में बुधवार सुबह 10 बजे निःशुल्क हाट बाजार आयुष चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।जिसमें डॉ बीपी,डॉ. मुनेश्वर पटेल,औषधि संयोजक अशोक सिन्हा,औषधालय सेवक संजय कुमार मरकाम,एवं पीटीएस रवि भास्कर, उपस्थित थे।शिविर में रक्तचाप,मधुमेह,चर्म रोग, उदर रोग,सर्दी खांसी,श्वास रोग के मरीजों को निःशुल्क उपचार कर औषधि वितरण किया। शिविर में दोपहर 01 बजे तक 105 मरीजों का निःशुल्क उपचार कर औषधि प्रदाय किया गया।

'रजत महोत्सव पर ग्राम पंचायत सितली में आयोजन'

कोण्डागांव। ग्राम पंचायत सितली जनपद पंचायत कोंडागांव में 'त्रिस्तरीय पंचायत पदाधिकारियों का सम्मलेन एवं कार्यशाला और छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें कोंडागांव विधान सभा विधायक बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष लता उसेंडी मुख्य आर्थिक रूप में शामिल हुई। कार्यक्रम में मनरेगा हितग्राही का ई केवायसी एवं बस्तर ओलम्पिक के लिए खिलाड़ियों का पंजीयन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य नंदकुमार राठौर, जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व पंचायतों के जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित थे। विधायक ने बस्तर ओलम्पिक में भाग लेने हेतु ग्रामवासियों को प्रोत्साहित किया और अधिक से अधिक आवेदन करने की अपील की। कार्यक्रम में सीतली, पल्ली, चिलपुटी, भोगड़ी, लेमड़ी, चिपावंड, बीरगांव अ, डोंगरीगुड़ा और पलारी से बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे, जिनको ब्लॉक स्तर अधिकारियों द्वारा शासकीय योजनाओं की जानकारी दी गई।

प्राकृतिक आपदा पीड़ित परिवारों को दी गई 8 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि

जगदलपुर। कलेक्टर हरिस एस. द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत् प्राकृतिक आपदा पीड़ित परिवारों को 08 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गई है। कलेक्टर द्वारा बस्तर तहसील के ग्राम चोकर निवासी ललिता यादव की मृत्यु तालाब के पानी में डूबने से पिता सकरू यादव तथा तहसील भानपुरी के ग्राम बनियागांव निवासी जागेश्वरी मौर्य की मृत्यु पानी में डूबने से पिता सुदरू मौर्य प्रत्येक को चार-चार लाख रूपए की सहायता राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है। उक्त स्वीकृत सहायता राशि इन हितग्राहियों के बैंक खाते में सीधे अंतरित किए जाने के निर्देश संबंधित तहसीलदारों को दिए गए हैं।

कुआकोंडा ब्लॉक गौसेवा अध्यक्ष रामकृष्णा बैरागी रायपुर में ली शपथ

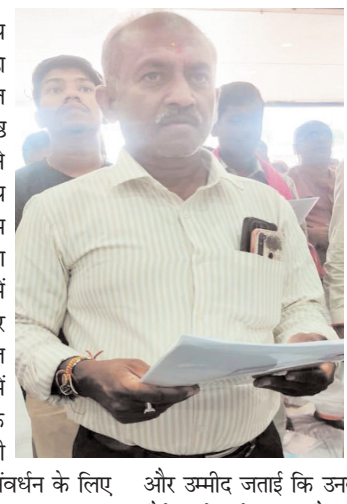

किरंदुल। छत्तीसगढ़ राज्य गौसेवा आयोग के कुआकोंडा विकासखंड अध्यक्ष बने किरंदुल के समाजसेवी और वरिष्ठ पत्रकार रामकृष्णा बैरागी ने मंगलवार को रायपुर में शपथ ग्रहण किया। यह शपथ कार्यक्रम राजधानी रायपुर के सरगुजा कुटीर में आयोजित हुआ, जिसमें प्रदेश के सभी जिले और विकासखंडों से नवनियुक्त अध्यक्ष शामिल हुए।कार्यक्रम में मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के संतजनों की मौजूदगी रही। सभी पदाधिकारियों ने गौ रक्षा और संवर्धन के लिए सेवा और समर्पण की शपथ ली। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य गौसेवा आयोग के प्रदेशाध्यक्ष विशेषर पटेल सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।रामकृष्णा बैरागी के शपथ ग्रहण की खबर से नगरवासियों, समाजसेवियों और गौसेवकों में हर्ष का माहौल है। सभी ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में क्षेत्र में गौसेवा से जुड़े कार्य और अधिक प्रभावी होंगे।

किरंदुल परियोजना के अंतर विभागीय बॉल बैडमिंटन टूर्नामेंट

किरंदुल। एनएमडीसी किरंदुल परियोजना में स्पोर्ट्स एडवाइजरी कमेटी के तत्वाधान में चार दिवसीय अंतर विभागीय बॉल बैडमिंटन टूनार्मेंट का सफल आयोजन किया गया जिसका समापन बुधवार हुआ।इस प्रतियोगिता में किरंदुल परियोजना के सभी विभागों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था।चार दिन चले इस प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला प्लांट एवं प्रशासनिक टीम के मध्य खेला गया।इस रोमांचक मुकाबले में प्लांट की टीम विजयी रहीं।एनएमडीसी द्वारा प्रतिवर्ष अपने कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रकार के खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता हैं।जिसमें प्रत्येक परियोजना में विभागीय स्तर में टूनार्मेंट कराकर खिलाड़ियों का चयन किया जाता हैं।जो कि एनएमडीसी द्वारा आयोजित अंतर परियोजना प्रतियोगिता में हिस्सा लेते हैं।इसी तारतम्य में किरंदुल परियोजना में भी विभागीय प्रतियोगिता कराकर खिलाड़ियों का चयन किया गया हैं। इस प्रतियोगिता के माध्यम से चयनित खिलाड़ी आगामी दिनों पन्ना में होने वाले अंतर परियोजना बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता में किरंदुल परियोजना का प्रतिनिधित्व करेंगे।इस फाईनल मुकाबले में मुख्य अतिथि के रूप में एनएमडीसी किरंदुल परियोजना के महाप्रबंधक उत्पादन के पी सिंह उपस्थित थे।अन्य आतिथियों में श्रमिक संघ एसकेएमएस के अध्यक्ष देवरायलू ,श्रमिक संघ इंटक के कार्यालय सचिव रवीश तिवारी, एनएमडीसी एसटीएससी कर्मचारी कल्याण संघ के अध्यक्ष बी एल तारम उपस्थित थे।विजेता टीम प्लांट के खिलाड़ियों में वेंकटेश्वर राव,सूर्या, रवि पांडे, हरिकिशन, गग्गैया, दामोदर नाग और निषाद ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वी को हराया।वहीं उपविजेता प्रशासनिक टीम में बालेंद्र बघेल,शेख नफीस, मोहम्मद यासीन,भानु प्रसाद,सतीश सोनी, संतोष शर्मा,अजय सिंह एवं गजेंद्र ने भी बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। अंत में मुख्य अतिथि के पी सिंह द्वारा विजेता एवं उपविजेता टीम को पुरस्कार प्रदान किया गया।पूरे प्रतियोगिता में व्यक्तिगत रूप से बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में बेस्ट फ्रंट का खिताब सतीश सोरी,बेस्ट सेंटर हरिकिशन कोडपी एवं बेस्ट बैक का खिताब बालेन्द्र सिंह बघेल को दिया गया।इस खेल को संपन्न करने में मैच रेफरी निर्मल बघेल एवं भोला का विशेष योगदान रहा।

बस्तर संभाग में गौण खनिज रेत खदानों की ई-नीलामी पर तत्काल रोक लगाए सरकार : विक्रम मंडावी

भाजपा सरकार पंचायतों के संवैधानिक अधिकारों का हनन कर रही : विक्रम मंडावी

बीजापुर। बीजापुर के विधायक एवं कांग्रेस नेता विक्रम मंडावी ने बुधवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार से मांग की है कि बस्तर संभाग में गौण खनिज रेत खदानों की ई-नीलामी की प्रक्रिया पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की नीति के अनुरूप रेत खदानों को ग्राम पंचायतों को आवंटित किया जाए, ताकि ग्राम पंचायतों को आर्थिक रूप से सशक्त किया जा सके और ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति मिल सके।

विक्रम मंडावी ने गौण खनिज रेत खदानों की ई-नीलामी पर कड़ा ऐतराज जताते हुए कहा कि बस्तर संभाग एक आदिवासी बहुल क्षेत्र है, जो भारतीय संविधान की पांचवीं अनुसूची के अंतर्गत आता है। इस क्षेत्र में पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों में विस्तार) अधिनियम, 1996 (पेसा कानून) लागू है, जो ग्राम पंचायतों को प्राकृतिक संसाधनों पर अधिकार प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि रेत खदानों की ई-नीलामी की प्रक्रिया पंचायतों के संवैधानिक अधिकारों को खत्म करने का प्रयास है और यह पेसा कानून के प्रावधानों के खिलाफ है। कांग्रेस नेता विक्रम मंडावी ने भाजपा पर उद्योगपतियों को लाभ पहुँचाने का आरोप लगाते हुए आगे कहा कि प्रदेश में जब से भाजपा की डबल इंजन की सरकार बनी है तब से भाजपा सरकार बस्तर संभाग के प्राकृतिक संसाधनों को बेचने का काम कर रही है, रेत खदानों के ई-नीलामी की प्रक्रिया भी रेत खदानों को बड़े उद्योगपतियों को बेचने का हिस्सा है, इससे शांतिप्रिय क्षेत्र में अशांति फै लेगी और युवाओं में बेरोजगारी बढ़ेगी।कांग्रेस नेता विक्रम मंडावी ने भाजपा की डबल इंजन सरकार पर आरोप लगाया कि वह आदिवासी क्षेत्रों में ग्राम पंचायतों को कमजोर करने की साजिश रच रही है। कांग्रेस नेता विक्रम मंडावी ने अपने प्रेस विज्ञप्ति में आगे कहा कि रेत खदानों का आवंटन ग्राम पंचायतों को देने से न केवल पंचायतों का राजस्व बढ़ेगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और स्थानीय समुदायों के कल्याण के लिए आवश्यक है। इसके विपरीत, ई-नीलामी के जरिए रेत खदानों को निजी हाथों में सौंपने से बड़े ठेकेदारों को फायदा होगा, जबकि स्थानीय समुदाय और पंचायतें आर्थिक नुकसान झेलेंगी।

कांग्रेस नेता विक्रम मंडावी ने अपने विज्ञप्ति में यह भी कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने रेत खदानों को ग्राम पंचायतों को सौंपकर एक ऐसी व्यवस्था स्थापित की थी, जिसमें स्थानीय समुदायों को प्राकृतिक संसाधनों का लाभ मिलता था। इस नीति ने पंचायतों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया और ग्रामीण विकास को बढ़ावा दिया। उन्होंने मांग की कि भाजपा सरकार तत्काल ई-नीलामी की प्रक्रिया को रद्द करे और रेत खदानों को पुनः ग्राम पंचायतों को सौंपे, ताकि संवैधानिक प्रावधानों का सम्मान हो और आदिवासी क्षेत्रों में विकास की गति बनी रहे। उन्होंने यह भी कहा कि यदि भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने इस मुद्दे पर तुरंत कार्रवाई नहीं की, तो कांग्रेस पार्टी जनहित में आंदोलन शुरू करने के लिए बाध्य होगी।

हायर सेकेंडरी भगत सिंह स्कूल में हाथ धुलाई दिवस मनाया गया

जगदलपुर। जगदलपुर.साफ हाथ, सेहत के साथ के मूलमंत्र को लेकर दिनांक को प्रचार्य मैडम के कुशल नेतृत्व में हाथ धुलाई दिवस का आयोजन हायर सेकेंडरी भगत सिंह स्कूल में किया गया। जिसमें हाथ धुलाई के आठ स्टेप्स व्याख्याता अनिल शुक्ला द्वारा बताया गया प्रचार्य विनीता बेंजामिन ने आज के समय साबुन पानी से हाथ धुलाई का महत्व हर बालक बालिका को जानना चाहिए एवम् हर घर में जागरूकता बढ़े इस पर जोर दिया गया, इस अवसर पर मिसाइल मैंने डॉ अब्दुल कलाम जी के आदर्शो को जीवन में अपनाने की सलाह दी, रोशनी ने हाथ धुलाई बीमारियों को रोकने का सरल एवम् प्रभावशाली उपाय बताया गया, स्वच्छता से संबंधित नारे लगा इस कार्यक्रम की समापन किया गया इस अवसर पर किरण चौहान अभिराम पटेल, योजना देवांगन, नीतू शर्मा, अनामिका शर्मा सुमन विश्वकर्मा भारती नामदेव उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में खिलाड़ी दिखा रहे अपना दमखम

बिलासपुर। 25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन 15 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक किया जा रहा है। प्रतियोगिता में 5 संभाग के विभिन्न जिलों से आए 1060 खिलाड़ियों एवं 100 कोचों ने भाग लिया है। बेसबाल, कबड्डी एवं कराते जैसे खेल विधाओं में 14 से 19 वर्ष के खिलाड़ी अपना दमखम दिखा रहे है। जिला प्रशासन, शिक्षा एवं खेल विभाग द्वारा खिलाड़ियों के लिए रहने, खाने, आवागमन सहित अन्य सभी समुचित व्यवस्थाएं की गई है। उन्हें शहर के विभिन्न विद्यालयों में ठहराया गया है। जहां उनके लिए भोजन, पेयजल सहित सभी जरूरी सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है। खिलाड़ियों को ठहराए गए विद्यालयों में बाथरूम, शौचालय भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। खिलाड़ियों के आवास स्थल में ट्यूबवेल के साथ, नगर निगम का नल कनेक्शन लगा हुआ है। साथ ही नगर निगम द्वारा पानी टेंकर भी आवास स्थलों में पहुंचाये गये है। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि खिलाड़ियों को किसी प्रकार कोई समस्याएं नहीं है। उनके लिए विभाग द्वारा सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है। जिले के खिलाड़ियों ने जिस उत्साह और अनुशासन का परिचय दिया है, वह आने वाली प्रतियोगिताओं के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि खेल केवल शारीरिक विकास का माध्यम नहीं, बल्कि टीम भावना, आत्मविश्वास और नेतृत्व कौशल को भी प्रोत्साहित करते हैं।

सहकारी समितियों का निर्वाचन कार्यक्रम जारी

बिलासपुर। श्री राम मछुवा सहकारी समिति मर्या. भीमपुरी एवं अविनाश प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भंडार मर्यादित लोको कॉलोनी का निर्वाचन कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। जारी निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार निर्वाचित किये जाने वाले सदस्यों की कुल संख्या 11 होगी। नामांकन पत्र 25 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक प्रस्तुत किये जा सकते है। नामांकन पत्रों की जांच एवं सूची का प्रकाशन 27 अक्टूबर, नामांकन पत्रों की वापसी, चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के अंतिम सूची का प्रकाशन एवं निर्वाचन चिन्हों का आबंटन 28 अक्टूबर दोपहर 12 बजे से दोपहर 2 बजे तक किया जाएगा। विशेष साधारण सम्मिलन में मतदान 4 नवम्बर को सवेरे 10 बजे से 3 बजे तक एवं अध्यक्ष, उपाध्यक्ष अन्य सोसायटियों के प्रतिनिधियों का निर्वाचन 12 नवम्बर को दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक संस्था कार्यालयों में होगा।

स्कूलों में आत्मरक्षा प्रशिक्षण देने, प्रशिक्षकों से 30 तक आवेदन आमंत्रित

बिलासपुर। जिले के 217 हाई एवं हायर सेकेण्डरी विद्यालयों में रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा कराते प्रशिक्षण देने के लिए इच्छुक प्रशिक्षकों से 30 अक्टूबर तक आवेदन मंगाये गये है। प्रशिक्षकों को कराटे, जुडो, ताईक्वांडो, किक बॉक्सिंग, मार्शल आर्ट में मान्यता प्राप्त संस्था से प्रमाण पत्र उत्तीर्ण होना आवश्यक है। प्रशिक्षण की अवधि 30 दिवस की होगी एवं मानदेय प्रति विद्यालय 5 हजार रूपये दिया जाएगा। इच्छुक प्रशिक्षक निर्धारित प्रारूप में अपना आवेदन व्यक्तिगत एवं संगठन के माध्यम से जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा माध्यमिक, पुराना कम्पोजिट बिल्डिंग, कक्ष क्र 21 बिलासपुर में 30 अक्टूबर तक प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदनों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव मत्स्य पालन बना ग्रामीण समृद्धि की नई पहचान

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती महोत्सव 2025 का यह विशेष वर्ष, प्रदेश के समग्र विकास की गौरवशाली गाथा को रेखांकित करता है। इन 25 वर्षों में प्रदेश के सभी विभागों ने जनकल्याण और सामाजिक उत्थान की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ दर्ज की हैं। इनमें बिलासपुर जिला का मत्स्य पालन विभाग एक ऐसी मिसाल बनकर उभरा है, जिसने जल संसाधनों के माध्यम से गांव-गांव में आजीविका, आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्थिरता की मजबूत नींव रखी। वर्ष 2000 में जब छत्तीसगढ़ राज्य का गठन हुआ, उस समय बिलासपुर जिले में मछली पालन मुख्यत: पारंपरिक विधियों तक सीमित था। ग्रामीण क्षेत्रों में मत्स्य पालन एक सहायक आजीविका के रूप में देखा जाता था। केवल 3 हजार 333 तालाब मछली पालन के लिए पट्टे पर दिए गए थे और मत्स्य उत्पादन 21 हजार 120 मीट्रिक टन था। विगत 25 वर्षों में मत्स्य पालन विभाग, बिलासपुर ने योजनाबद्ध प्रयासों और नवाचारों के माध्यम से इस क्षेत्र को नई दिशा दी है। आज जिले में 4 हजार 946 तालाब मछली पालन के लिए उपयोग में हैं। पट्टे पर जल क्षेत्र की सीमा 5 हजार 679 हेक्टेयर से बढ़कर 10 हजार 960 हेक्टेयर तक पहुँच गई है। ग्रामीण तालाबों की संख्या 227 से बढ़कर 4 हजार 884 हो चुकी है। इस विस्तार का सबसे बड़ा प्रभाव मत्स्य उत्पादन पर पड़ा है कृ जो अब 48 हजार 488 मीट्रिक टन तक पहुँच गया है।

सीवी रमन विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

समर्पण अनुशासन और समय प्रबंधन से मिलती है सफलता-राज्यपाल

- 195 को पीएचडी एवं 189 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल से नवाजा
- राज्यपाल ने विद्यार्थियों को दी जीवन मूल्यों की सीख

बिलासपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका कोटा स्थित डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय के दूसरे दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। उन्होंने 195 विद्यार्थियों को पीएचडी को उपाधि और 189 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल प्रदान किया। उन्होंने इस दौरान विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित दीक्षांत स्मारिका सहित अन्य प्रकाशनों का विमोचन किया। अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को समर्पण, अनुशासन और निरंतर परिश्रम को जीवन का मूल मंत्र बताते हुए सफलता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भाषा ज्ञान का माध्यम है, बाधा नहीं। केवल अंग्रेजी जानने से कोई ज्ञानी नहीं बन जाता। भाषा ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम हो सकती है, लेकिन यह बाधा कभी नहीं बन सकती। उन्होंने कहा कि किसी भी भाषा में सच्चा ज्ञान तभी प्राप्त होता है जब हम उसमें मन, मस्तिष्क और व्यवहार से जुड़ते हैं। राज्यपाल ने दीक्षांत को सिर्फएक समापन नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत करार दिया। कार्यक्रम में केन्द्रीय आवासन एवं शहरी विकास राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंकराम वर्मा, बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला, डॉ. सीव्ही रमन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे, कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार घोष, कुलसचिव डॉ. अरविन्द कुमार तिवारी, आईआईटी भिलाई के निदेशक प्रोफेसर राजीव प्रकाश, आइसेक्ट समूह के सचिव डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, एसएसपी श्री रजनेश सिंह सहित

विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे। राज्यपाल श्री डेका ने सफलता के तीन मुख्य स्तंभों दृढ़ता, कड़ी मेहनत और अनुशासन पर जोर देते हुए कहा कि यही वे गुण हैं जो किसी भी व्यक्ति को लक्ष्य तक पहुंचा सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने माता-पिता और समाज के प्रति आभार प्रकट करने की सीख दी। जितनी भी सफलता आप जीवन में प्राप्त करें, अपने माता-पिता और मूल्यों को कभी न भूलें। समाज ने हमें बहुत कुछ दिया है अब हमें सोचना है कि हमने समाज को क्या दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को समय का प्रभावी प्रबंधन करने का सुझाव देते हुए कहा कि आपके पास आज समय और स्थान दोनों हैंकृइनका सदुपयोग करें, क्योंकि यही आपकी सबसे बड़ी पूंजी हैं। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण का माध्यम होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षक और विद्यार्थी के बीच आपसी संवाद, विश्वास और प्रेरणा का रिश्ता होना चाहिए। शिक्षा समावेशी होनी चाहिए और सीखने की प्रक्रिया कभी समाप्त नहीं होती। अपने संबोधन के समापन में राज्यपाल ने सीवी रमन विश्वविद्यालय को भविष्य में एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान बनने की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने आशा जताई कि यह विश्वविद्यालय आने वाले वर्षों में महत्वपूर्ण कीर्तिमान स्थापित करेगा। केंद्रीय आवासन एवं शहरी विकास एवं राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि सपनों को हकीकत में बदलने के लिए समर्पण, अनुशासन और समय का सही उपयोग अनिवार्य है। उन्होंने युवाओं से निरंतर सीखते रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बदलती तकनीक के साथ अपडेट रहना आज की सबसे बड़ी जरूरत है, लेकिन मानवीय मूल्यों का विकास भी उतना ही जरूरी है।

सिम्स में मनाया गया मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता दिवस.....

बिलासपुर। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के जागरूकता पखवाड़े एवं छत्तीसगढ़ रजत जयंती समारोह के अवसर में विश्व स्वास्थय संगठन एवं राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थय कार्यक्रम, स्वास्थय एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के दिशानिर्देश अनुसार आज पी एम श्री केन्द्रीय विद्यालय बिलासपुर में मनोरोग विभाग सिम्स द्वारा विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस को मानसिक स्वास्थय जागरूकता दिवस के रूप में मनाया गया। प्रतिवर्ष के अनुशार इस वर्ष डब्ल्यूएचओ द्वारा विषय-सेवाओं तक पहुँच-आपदाओं और आपात स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य निर्धारित किया गया है। इस वर्ष 10 अक्टूबर से 10 नवम्बर तक मानसिक स्वास्थय जागरूकता पखवाड़ा घोषित किया गया है जिसके अंतर्गत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। इसी कड़ी में

आज केन्द्रीय विद्यालय बिलासपुर के कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. सुजीत नायक विभागाध्यक्ष मनोरोग विभाग सिम्स बिलासपुर, डॉ राकेश कुमार जाँगड़े मनोरोग विशेषज्ञ डॉ सत्य स्मिता जेना, मनोरोग चिकित्सक डॉ सुधांशु भट्ट मनरोग विभाग थे । डॉ सुजीत नायक ने कार्यक्रम के प्रथम चरण में बच्चों को मानसिक स्वास्थय सम्बन्धी जानकारी प्रदान कर तनाव तथा अवसाद के लक्षणों एवम दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी साझा की तथा तनाव प्रबंधन के उपाए बताये । कार्यक्रम के द्वितीय चरण में डॉ राकेश जांगड़े ने बच्चों को नशे से संबंधित मादक पदार्थो के दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी दी और उन्हें कभी भी जीवन में नशे को ना अपनाने जागरूक किया ।डॉ सत्यस्मिता जेना ने बच्चों को परीक्षा जनित तनाव को दूर करने के लिए विभिन्न उपाय बताए तथा एक संयमित व्यवहार और जीवन शैली अपनाने हेतु जागरूक किया ।

सिम्स में एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्रों को दिलाई कैडेवरिक ओथ

बिलासपुर। आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) बिलासपुर में आज एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं को कैडेवरिक ओथ (शव की शपथ) दिलाई गई। यह गरिमामय कार्यक्रम शरीर रचना विज्ञान विभाग (एनाटॉमी विभाग) में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सिम्स के अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति एवं शरीर रचना विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. शिक्षा जांगड़े एवं डॉ. भूपेंद्र कश्यप (नोडल अधिकारी) की प्रमुख उपस्थिति रही। साथ ही विभाग के संकाय सदस्य डॉ. अमित कुमार, डॉ. प्रेमलता येडे, डॉ. वीणा मोटवानी एवं डॉ. कमलजीत बाशन भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने यह शपथ ली कि वे मानव शरीर (कैडेवर) को अपना प्रथम गुरु मानेंगे। शव के साथ सर्वोच्च सम्मान और गरिमा के

साथ व्यवहार करेंगे। मृतक एवं उनके परिवार की गोपनीयता का सम्मान करेंगे। तथा इस बलिदान से प्राप्त ज्ञान का उपयोग समाज की सेवा एवं मानव कल्याण में करेंगे। कैडेवरिक ओथ को चिकित्सा शिक्षा का पहला नैतिक संस्कार माना जाता है। यह केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के मन में संवेदना, आभार और चिकित्सकीय जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का अवसर होता है।मानव शरीर का अध्ययन चिकित्सकीय दक्षता की बुनियाद है, और यही कारण है कि शव को 'साइलेंट टीचर' या 'मौन गुरु' के रूप में सम्मान दिया जाता है। अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति ने अपने उद्बोधन में कहा कि एक चिकित्सक का पहला शिक्षक कोई व्यक्ति नहीं, बल्कि मानव शरीर होता है। जो शरीर अपना अस्तित्व त्यागकर ज्ञान का मार्ग प्रशस्त करता है, उसके प्रति सम्मान और संवेदनशीलता अनिवार्य है।

टीबी उन्मूलन की दिशा में बड़ा कदम:जिला प्रशासन बिलासपुर और एसईसीएल के बीच एमओयू सम्पन्न

बिलासपुर। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत जिला प्रशासन बिलासपुर और साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन संपन्न हुआ। इस एमओयू का उद्देश्य जिले के टीबी मरीजों को नियमित पोषण आहार उपलब्ध कराकर उनके स्वास्थ्य में सुधार लाना और टीबी उन्मूलन के राष्ट्रीय लक्ष्य को साकार करना है। कार्यक्रम में जिला प्रशासन की ओर से टीबी नियंत्रण कार्यक्रम की नोडल अधिकारी डॉ. गायत्री बांधी तथा एसईसीएल की ओर से महाप्रबंधक श्री वर्मा ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल की उपस्थिति रही उनके द्वारा प्रतीकात्मक रूप से 5 टीबी

मरीजों को पोषण आहार वितरित कर इस पहल की शुरुआत की। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कहा कि टीबी उन्मूलन के लिए सरकारी प्रयासों के साथ निजी संस्थानों का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। एसईसीएल द्वारा किया गया यह योगदान सामाजिक सहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण है। जिला टीबी नियंत्रण कार्यक्रम की नोडल अधिकारी डॉ. गायत्री बांधी ने बताया कि इस एमओयू के अंतर्गत बिलासपुर जिले के लगभग 2500 टीबी मरीजों को पौष्टिक आहार सहायता प्रदान की जाएगी। पोषण किट के रूप उन्हें 6 माह तक प्रतिमाह 500 रुपए का प्रोटीन पावडर दिया जाएगा। इससे मरीजों को दवाओं के साथ आवश्यक पोषण भी मिलेगा, जो उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ में सहायक होगा, पोषण की कमी टीबी मरीजों के स्वास्थ्य सुधार में बड़ी बाधा बनती है, ऐसे में पोषण आहार देने की यह पहल टीबी उन्मूलन के लक्ष्य की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। एसईसीएल के सीएसआर महाप्रबंधक श्री वर्मा ने बताया कि कंपनी अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के अंतर्गत स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में निरंतर योगदान दे रही है। टीबी मुक्त भारत अभियान में सहयोग देना एसईसीएल के लिए गर्व की बात है, और इस अनुबंध के माध्यम से बिलासपुर जिले के टीबी मरीजों को संबल मिलेगा। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शुभा गरेवाल, डीपीएम पीयूली मजूमदार।

25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता संपन्न...

- बिलासपुर संभाग ने लहराया जीत का परचम

बिलासपुर। 25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता में बिलासपुर संभाग ने खेल के सभी प्रारूप में परचम लहराते हुए जीत की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया है। ज्ञात हो कि 25वीं शालेय क्रीडा प्रतियोगिता में इस वर्ष बिलासपुर जिले को कबड्डी, बेसबॉल एवं कराते की प्रतियोगिता के आयोजन की जिम्मेदारी मिली हुई है। बेसबॉल का आयोजन शहर के पुलिस ग्राउंड एवं छत्तीसगढ़ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ग्राउंड में किया जा रहा है कबड्डी का आयोजन पिंक स्टेडियम में हो रहा है एवं कराते बालक वर्ग का आत्मानंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तिलक नगर व बालिका वर्ग का सरस्वती शिशु मंदिर तिलक नगर में किया गया। बालक एवं बालिका के सभी वर्गों में 6 गोल्ड मेडल पर बिलासपुर संभाग ने कब्जा जमाया है। बेसबॉल अंतिम परिणाम 14 वर्ष बालक प्रथम बिलासपुर, द्वितीय दुर्ग, तृतीय बस्तर 14 वर्ष बालिका प्रथम बिलासपुर, द्वितीय बस्तर, तृतीय दुर्ग, 17 वर्ष बालक प्रथम बिलासपुर, द्वितीय दुर्ग, तृतीय बस्तर, 17 वर्ष बालिका प्रथम बिलासपुर, द्वितीय बस्तर, तृतीय दुर्ग, 19 वर्ष बालक प्रथम बिलासपुर, द्वितीय दुर्ग, तृतीय बस्तर, 19 वर्ष बालिका प्रथम बिलासपुर, द्वितीय दुर्ग, तृतीय बस्तर रहा। कराते अंतिम परिणाम 35 किलोग्राम वजन में अंश श्रीवास रायपुर प्रथम, आशीष केरकेट्टा सरगुजा द्वितीय, तिलक कश्यप बस्तर तृतीय। 40 किलोग्राम वजन में साहिल दास बिलासपुर प्रथम, रोशन साव दुर्ग द्वितीय, वेद सेंडे दुर्ग तृतीय, 45 किलोग्राम वजन में गौरव मौर्य बिलासपुर प्रथम, मोहन तेलम बस्तर द्वितीय, 50 किलोग्राम वजन में कौशलेंद्र बिलासपुर प्रथम, विभोर मानिकपुरी दुर्ग द्वितीय, हर्ष बाग रायपुर तृतीय, 54 किलोग्राम वजन में सुयश सिक्का रायपुर प्रथम, पृथ्वीराज चौहान बिलासपुर द्वितीय, अजीत बस्तर तृतीय, 58 किलोग्राम वजन में अंश मौर्य बिलासपुर प्रथम, पेखराज दुर्ग द्वितीय, सौरभ कुमार रायपुर तृतीय, 62 किलोग्राम वजन में महफूज अली बिलासपुर प्रथम, प्रवीण दुर्ग द्वितीय, नागेंद्र बस्तर तृतीय, 66 किलोग्राम वजन में आदित्य प्रताप बिलासपुर प्रथम, शिवानंद बस्तर द्वितीय, नीलय रायपुर तृतीय, 70 किलोग्राम वजन में दिनेश कुमार बिलासपुर प्रथम, आकाश बस्तर द्वितीय, 74 किलोग्राम वजन में जीतू रायपुर प्रथम, सुनील बस्तर द्वितीय, 82 किलोग्राम वजन में जितेश बस्तर प्रथम, रौनक रायपुर द्वितीय, 82. वजन में प्रवीण मोहले रायपुर प्रथम, कुशल दुर्ग द्वितीय, रवि कुमार बस्तर तृतीय रहे। कबड्डी में बिलासपुर संभाग ने 4 गोल्ड मेडल प्राप्त करते हुए सभी वर्ग में संभाग का परचम लहराया है।

हर घर तक सम्मान की छत पहुंचाने में बिलासपुर अव्वल

- प्रधानमंत्री आवास योजना में ऐतिहासिक सफलता
- 33 हजार से अधिक परिवारों को मिला पक्का आशियाना

बिलासपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के सफल क्रियान्वयन में बिलासपुर जिले ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। वर्ष 2024-25 में जिले ने 33 हजार 687 आवास पूर्ण कर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि न केवल प्रशासनिक दक्षता का उदाहरण है, बल्कि हजारों परिवारों के जीवन में आई स्थिरता, सुरक्षा और सम्मान की प्रतीक भी है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जिले में वर्ष 2016 से 2023 तक कुल 55 हजार 991 आवासों का निर्माण पूर्ण किया गया, जो 95 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति दर्शाता है। वहीं, वर्ष 2024-25 में 33 हजार से अधिक मकान पूर्ण कर जिले ने मिशन मोड में कार्य करते हुए नई मिसाल कायम की है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में यह योजना प्रभावी रूप से लागू हुई है। नियमित फील्ड विजिट, समयबद्ध वित्तीय सहायता और हितग्राहियों के साथ निरंतर संवाद के परिणामस्वरूप यह उल्लेखनीय प्रगति संभव हुई है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी ने कहा कि हमारी प्राथमिकता रही है कि पात्र परिवारों तक योजना का लाभ समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुँचे। टीमवर्क और ग्रामीणों के सहयोग से ही यह संभव हुआ है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना केवल मकान निर्माण की योजना नहीं है, बल्कि यह हर ग्रामीण परिवार को सम्मानजनक जीवन देने का प्रयास है। बिलासपुर जिला इसी दिशा में सतत प्रगति कर रहा है। वर्ष 2024-25 के लिए जिले को कुल 66 हजार 510 आवासों का लक्ष्य मिला, जिनमें से 58 हजार 977 आवासों को स्वीकृति दी गई। निर्माण कार्य की गति बनाए रखने हेतु सरकार द्वारा तीन किश्तों में

वित्तीय सहायता प्रदान की गई। पहली किश्त में 57 हजार 565 हितग्राहियों को, दूसरी किश्त में 47 हजार 861 हितग्राहियों को और तीसरी किश्त में 27 हजार 447 हितग्राहियों को सहायता दी गई। समय पर राशि जारी होने से निर्माण कार्यों में तेजी आई और जिले ने तय समयसीमा में लक्ष्य प्राप्त किया। प्रधानमंत्री आवास योजना ने ग्रामीण अंचलों के गरीब परिवारों के जीवन में सम्मान, सुरक्षा और आत्मविश्वास की नई किरण जगाई है। पक्के घरों के निर्माण से बच्चों को बेहतर पढ़ाई का माहौल मिला, बुजुर्गों को विपरीत मौसम में भी सुरक्षा मिली और महिलाओं को घर-परिवार के संचालन में सुविधा हुई। यह योजना अब केवल आवास निर्माण कार्यक्रम नहीं रह गई है, बल्कि यह ग्रामीण भारत के सामाजिक सशक्तिकरण का प्रतीक बन चुकी है। शासन द्वारा प्रारंभ किया गया मोर आवास, मोर अधिकार पोर्टल हितग्राहियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रहा है। इसके माध्यम से कोई भी पात्र व्यक्ति अपने आवेदन की स्थिति और पात्रता की जानकारी ऑनलाइन प्राप्त कर सकता है, जिससे योजना में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हुई है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत हितग्राहियों को कुल 1 लाख 20 हजार रुपये की सहायता राशि तीन किश्तों में प्रदान की जाती है। प्रथम किश्त में 40 हजार, द्वितीय किश्त में 55 हजार और तृतीय किश्त में 25 हजार रुपये की राशि दी जाती है। इस योजना का उद्देश्य है कि कोई भी ग्रामीण परिवार बेघर न रहे और प्रत्येक पात्र हितग्राही को सुरक्षित, टिकाऊ और सम्मानजनक आवास प्राप्त हो सके।

धनतेरस, पूजा विधि और शुभ मुहूर्त

धनतेरस हर साल कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को मनाया जाता है.इसे धन्वंतरि जयंती के नाम भी जाना जाता है.मान्यता है कि समुद्र मंथन के दौरान धनतेरस के दिन ही भगवान धन्वंतरि अमृत कलश के साथ प्रकट हुए थे.ऐसा कहा जाता है कि भगवान धन्वंतरि की पूजा से अरोग्यता की प्राप्ति होती है.इस दिन वस्तुओं की खरीदारी को शुभ माना जाता है. धनतेरस के दिन लोग सोना-चांदी की खरीदारी करते हैं, माना जाता है कि इस दिन नए उपहार, सिक्का, बर्तन व गहनों की खरीदारी करना शुभ रहता है.ताकि उनके घर में सुख और समृद्धि बनी रहे.लेकिन धनतेरह के दिन कुछ चीजें खरीदना अशुभ माना जाता है.जैसे, धनतेरस पर लोहे से बनी चीजें नहीं खरीदनी चाहिए. कांच का सामान, धनतेरस के दिन काले रंग की चीजें आदि को घर पर नहीं लाना चाहिए.

धनतेरस पूजा विधि

धनतेरस के दिन सबसे पहले विघ्नहर्ता भगवान गणेश की पूजा करें, उसके बाद देवी लक्ष्मी और कुबेर की पूजा करें, पूजा शुरू करने से पहले नए कपड़े के टुकड़े के बीच में मुट्ठी भर अनाज रखा जाता है.कपड़े को किसी चौकी या पाटे पर बिछाना चाहिए.कलश पानी से भरें, उसमें गंगाजल मिला लें.इसके साथ ही सुपारी, फूल, एक सिक्का और कुछ चावल के दाने और अनाज भी इस पर रखें.कुछ लोग कलश में आम के पत्ते भी रखते हैं.पूजा में फूल, फल, चावल, रोली-चंदन, धूप-दीप का उपयोग करना चाहिए.इस दिन पूजा में भोग लगाने के लिये नैवेद्य के रूप में सफेद मिठाई का प्रयोग किया जाता है.माना जाता है कि माता लक्ष्मी और कुबेर की पूजा करने से घर में सुख समृद्धि बनी रहती है.

धनतेरस के दिन खरीदारी का शुभ मुहूर्त

सुबह 5:59 से 10:06 बजे तक
सुबह 11:08 से दोपहर 12:51 बजे तक
दोपहर 3:38 मिनट से शाम 5:00 बजे तक

धनतेरस के दिन क्यों खरीदे जाते हैं चांदी-पीतल के बर्तन

कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि यानि धनतेरस के दिन सोने-चांदी के आभूषण के साथ ही पीतल-स्टील के बर्तन भी खरीदे जाते हैं। अधिकतर सभी लोग इस दिन खरीदारी करते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं इस दिन पीतल-स्टील के बर्तनों की खरीदारी क्यों की जाती है। आइए आपको बताते हैं इसके बारे में .

पीतल के बर्तन

भगवान धनवंतरी अपनी दो भुजाओं में औषधि के साथ अमृत कलश लिए हुए हैं। मान्यता के अनुसार यह अमृत कलश पीतल का बना हुआ है क्योंकि पीतल भगवान धनवंतरी की प्रिय धातु है। इसलिए दिवाली के पूर्व धनतेरस के दिन लोग अपने घरों में नए पीतल के बर्तन खरीदकर लाते हैं।

चांदी के बर्तन भी होते हैं शुभ

इस दिन सोने, चांदी की वस्तु या आभूषण खरीदना शुभ माना जाता है, मान्यता के अनुसार चांदी चन्द्रमा की प्रतीक है, जो शीतलता प्रदान करती है, इस दिन सोने-चांदी की खरीदी गई कोई भी वस्तु शुभ फल प्रदान करती है और लंबे समय तक चलती है। चांदी का संबंध ज्योतिष से है। यह चंद्रमा तथा मन से जुड़ी है। माना जाता है कि धनतेरस के दिन चांदी के बर्तन खरीदने से घर में समृद्धि और सफलता आती है।

स्टील के बर्तन भी खरीदा जाना शुभ

मान्यता के अनुसार स्टील के बर्तन भी चांदी की तरह स्वच्छ और शुद्ध होते हैं। जिसे खाने को परोसकर खाया जा सकता है। जो लोग इस दिन चांदी के बर्तन नहीं खरीद सकते वे स्टील के बर्तन खरीद सकते हैं।

धनतेरस की शाम 13 दीपक घर के अंदर और 13 दीपक घर के बाहर लगाएं

धनतेरस के दिन कुछ आसान से उपाय कर आप अपनी जिंदगी में आ रही धन संबंधी परेशानी को हमेशा के लिए दूर कर सकते हैं। इस दिन जो भी शुभ कर्म किया जाता है, उसका 13 गुना फल मिलता है। जानते हैं कि आपको क्या करना है।

सबसे पहले सायंकाल के बाद 13 दीपक प्रज्वलित कर तिजोरी में कुबेर का पूजन करें। यह कहें कि- श्रेष्ठ विमान पर विराजमान, गरुड़मणि के समान आभावाले, दोनों हाथों में गदा एवं वर धारण करने वाले, सिर पर श्रेष्ठ मुकुट से अलंकृत तुंदिल शरीर वाले, भगवान शिव के प्रिय मित्र निधिश्वर कुबेर का मैं ध्यान करता हूं। इसके पश्चात निम्न मंत्र द्वारा चंदन, धूप, दीप, नैवेद्य से पूजन करें और यह मंत्र बोलें -

'यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धन-धान्य अधिपतये धन-धान्य समृद्धि मे देहि दापय स्वाहा।'

इसके पश्चात कपूर से आरती उतारकर मंत्र पुष्पांजलि अर्पित करें। इससे आपकी धन संबंधी परेशानी दूर होगी। जानें और कौन से उपाय आप कर सकते हैं.धनतेरस पर शाम ढलने के बाद 13 दीपक जलाएं। उसके पास 13 कौड़ियां रखें। फिर आधी रात के बाद ये कौड़ियां घर के किसी कोने में गाड़ दें। इससे अचानक आपको बहुत धन लाभ होगा। इस दिन 13 दीपक घर के अंदर और 13 घर के बाहर रखें। इससे दरिद्रता, अधंकार और घर की नकारात्मक ऊर्जा भी दूर होती है।

धनतेरस के दिन अपने परिवार के सदस्यों के लिए सामान या उपहार खरीदें। बाहरी लोगों के लिए कोई उपहार नहीं खरीदें। यदि आपके पास धन नहीं टिकता है, तो इस धनतेरस से दीपावली के दिन तक आप मां लक्ष्मी को पूजा के दौरान एक जोड़ा लौंग चढ़ाएं। धनतेरस के दिन यदि आप चीनी, बताशा, खीर, चावल, सफेद कपड़ा आदि अन्य सफेद वस्तुएं दान करते हैं, तो आपको धन की कमी नहीं होगी। जमा पूंजी बढ़ने के साथ ही कार्यों में आ रहीं बाधाएं भी दूर होंगी। इस दिन किसी किन्नर को अवश्य दान दें और उससे एक सिक्का मांग लें। यदि किन्नर आपको वो सिक्का खुशी से दे, तो बहुत अच्छा रहता है। नहीं, तो आप उससे मांग भी सकते हैं। इस सिक्के को अपनी तिजोरी या पर्स में रखने से कभी धन की कमी नहीं होती है। इस दिन यदि आपके दरवाजे पर कोई भिखारी, जमादार या गरीब व्यक्ति आए, तो उसे खाली हाथ न भेजें। आप कुछ न कुछ उसे जरूर दें। इससे मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और आपको समृद्धि का आशीष देती हैं। इससे आपको हर कार्य में अपार सफलता भी मिलेगी। यदि आपको किसी भी कार्य में सफलता प्राप्त करनी हो, तो इस धनतेरस आप उस पेड़ की टहनी तोड़ कर घर लाएं, जिस पर चमगादड़ बैठता हो। इस टहनी को ड्राइंग रुम में रखने से धन की प्राप्ति के साथ ही समाज में प्रतिष्ठा भी बढ़ती है।

इस दिन आप किसी मंदिर में जाकर केले का पौधा या कोई सुगंधित पौधा लगाएं। जैसे-जैसे ये हरे भरे और बड़े होंगे, आपको जीवन में भी सफलताएं बढ़ेंगी। धनतेरस के दिन किसी की बुराई न करें। इस दिन किसी से लड़ाई-झगड़ा नहीं करें। इससे घर में शांति और सकारात्मकता नहीं रहती है। धनतेरस की पूजा से पहले एवं बाद में दक्षिणावर्ती शंख में जल भरकर घर में चारों तरफ थोड़ा-थोड़ा छिड़कें। इससे घर में मां लक्ष्मी का आगमन होता है। इसके अलावा यह जल पूजा में शामिल लोगों पर भी छिड़कें। इससे मन पवित्र होता है।

धनतेरस इस बार होगा और भी खास, बन रहे दो शुभ संयोग

कार्तिक माह में कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है.इस दिन को धन त्रयोदशी या धनवंतरि जयंती भी कहा जाता है.इस दिन कुछ नया खरीदने की परंपरा है.

खासतौर पर इस दिन पीतल या चांदी के बर्तन खरीदना बहुत शुभ माना जाता है.मान्यता है कि इस दिन खरीदी जाने वाली चीजें धन समृद्धि को बढ़ाती हैं.

धनतेरस पर खास संयोग

इस बार धनतेरस का त्योहार बहुत खास है क्योंकि इस दिन कई ऐसे योग बन रहे हैं जो इस दिन की महता को और बढ़ाने वाले हैं.इस बार आप धनतेरस के दिन जो भी खरीदारी करेंगे, उसका महत्व दोगुना हो जाएगा.आइए जानते हैं इन खास संयोगों के बारे में.

धनतेरस पर मां लक्ष्मी की कृपा

इस बार धनतेरस 13 नवंबर के दिन मनाया जाएगा.शुक्रवार का दिन मां लक्ष्मी का दिन माना जाता है.इस दिन खरीदारी करना बहुत शुभ होगा और लोगों पर मां लक्ष्मी की विशेष कृपा रहेगी.इसके अलावा इस बार धनतेरस के दिन हनुमान जयंती भी पड़ने के कारण इस दिन का महत्व और बढ़ गया है.

कौन हैं कुबेर

कुबेर के संबंध में लोकमानस में एक जनश्रुति प्रचलित है। कहा जाता है कि पूर्वजन्म में कुबेर चोर थे-चोर भी ऐसे कि देव मंदिरों में चोरी करने से भी बाज न आते थे। एक बार चोरी करने के लिए एक शिव मंदिर में घुसे। तब मंदिरों में बहुत माल-खजाना रहता था। उसे ढूंढने-पाने के लिए कुबेर ने दीपक जलाया लेकिन हवा के झोंके से दीपक बुझ गया। कुबेर ने फिर दीपक जलाया, फिर वह बुझ गया। जब यह क्रम कई बार चला, तो भोले-भाले और औघड़दानी शंकर ने इसे अपनी दीपाराधना समझ लिया और प्रसन्न होकर अगले जन्म में कुबेर को धनपति होने का आशीष दे डाला।

कुरूपता के लिए प्रसिद्ध कुबेर

कुबेर के संबंध में प्रचलित है कि उनके तीन पैर और आठ दांत हैं। अपनी कुरूपता के लिए वे अति प्रसिद्ध हैं। उनकी जो मूर्तियां पाई जाती हैं, वे भी अधिकतर स्थूल और बेडौल हैं 'शतपथ ब्राह्मण' में तो इन्हें राक्षस ही कहा गया है। इन सभी बातों से स्पष्ट है कि धनपति होने पर भी कुबेर का व्यक्तित्व और चरित्र आकर्षक नहीं था। कुबेर रावण के ही कुल-गौत्र के कहे गए हैं।

कुबेर का दूसरा नाम यक्ष

कुबेर को राक्षस के अतिरिक्त यक्ष भी कहा गया है। यक्ष धन का रक्षक ही होता है, उसे भोगता नहीं। कुबेर का जो दिक्पाल रूप है, वह भी उनके रक्षक और प्रहरी रूप को ही स्पष्ट करता है। पुराने मंदिरों के वाह्य भागों में कुबेर की मूर्तियां पाए जाने का रहस्य भी यही है कि वे मंदिरों के धन के रक्षक के रूप में कल्पित और स्वीकृत हैं। कौटिल्य ने भी खजानों में रक्षक के रूप में कुबेर की मूर्तियां रखने के बारे में लिखा है। शुरू के अनार्य देवता कुबेर, बाद में आर्य देव भी मान लिए गए। बाद में पुजारी और ब्राह्मण भी कुबेर के प्रभाव में आ गए और आर्य देवों की भांति उनकी पूजा का विधान प्रचलित हो गया। तब विवाहादि मांगलिक अनुष्ठानों में कुबेर के आह्वान का विधान हुआ लेकिन यह सब होने पर भी वे द्वितीय कोटि के देवता ही माने जाते रहे। धन को सुचिता के साथ जोड़कर देखने की जो आर्यपरंपरा रही, संभवतः उसमें कुबेर का अनगढ़ व्यक्तित्व नहीं खपा होगा। बाद में शास्त्रकारों पर कुबेर का यह प्रभाव बिल्कुल नहीं रहा इसलिए वे देवताओं के धनपति होकर भी दूसरे स्थान पर ही रहे, लक्ष्मी के समकक्ष न ठहर सके। और लक्ष्मी पूजन की परंपरा ही कायम रही। लक्ष्मी के धन के साथ मंगल का भाव भी जुड़ा हुआ है। कुबेर के धन के साथ लोकमंगल का भाव प्रत्यक्ष नहीं है। लक्ष्मी का धन स्थायी नहीं, गतिशील है। इसलिए उसका चंचला नाम लोकविश्रुत है जबकि कुबेर का धन खजाने के रूप में जड़ या स्थिरमति है।

धनतेरस पर चांदी का कड़ा खरीदें

धनतेरस के दिन यह उपाय कर मां लक्ष्मी और धन के देवता कुबेर देव की पूर्ण कृपा प्राप्त की जा सकती है। इस दिन किसी की आलोचना, झगड़े व वाद - विवाद की बात बिलकुल भी न करें। अगर संभव हो तो पुरानी रंजिश या मन मुटाव को भुलाकर शत्रु को भी मित्र बनाने कि पहल करें इससे देवता प्रसन्न होते हैं और घर-परिवार में शुभता आती है। धनतेरस के दिन अपने दाएं हाथ के लिए एक चांदी का कड़ा बनवाएं या खरीदें, इस कड़े को धनतेरस से लेकर दिवाली वाले दिन तक मां लक्ष्मी के चरणों से लगा कर वहीं पूजा में रख दें और उस पर तिलक लगा दें। दिवाली के अगले दिन सुबह स्नान करने के बाद मां लक्ष्मी का ध्यान-पूजन करने के बाद उसे दाहिने हाथ में धारण कर लें। यह कड़ा अब आपका रक्षा कवच है। इसे पहनने से आत्मविश्वास तो आएगा ही साथ ही धन आगमन के रास्ते खुलने लगेंगे। हर काम में सफलता मिलने लगेगी।

धनतेरस पर सिर्फ एक उपाय देगा आपको मनचाहा धन

बस तीन बार पढ़ें धन्वंतरि स्तोत्र

धन तेरस पर धन प्राप्ति के अनेक उपाय बताए जाते हैं लेकिन सभी उपायों से बढ़कर है धन और आरोग्य के देवता धन्वंतरि का पावन स्तोत्र। प्रस्तुत है धन्वंतरि स्तोत्र

ॐ शंखं चक्रं जलौकां दधदमृतघटं चारुदोर्भिश्चतुर्भिः।
सूक्ष्मस्वच्छातिहृद्यांशुक परिविलसन्मौलिमंभोजनेत्रम।।
कालाम्भोदोज्ज्वलांगं कटितटविलसच्चारूपीतांबराढ्यम।
वन्दे धन्वंतरिं तं निखिलगदवनप्रौढदावाग्निलीलम।।
ॐ नमो भगवते महासुदर्शनाय वासुदेवाय धन्वंतराये:।
अमृतकलश हस्ताय सर्व भयविनाशाय सर्व रोगनिवारणाय।।
त्रिलोकपथाय त्रिलोकनाथाय श्री महाविष्णुस्वरूप।
श्री धन्वंतरि स्वरूप श्री श्री श्री औषधचक्र नारायणाय नमः ।।

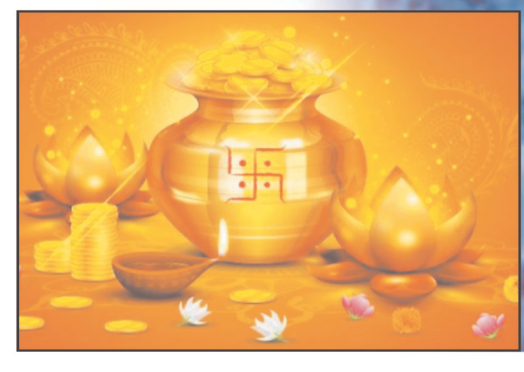

सांसद खेल महोत्सव में खेल से खिलें सपने, युवाओं में उमंग और जोश का माहौल

सांसद विजय बघेल,महापौर अलका बाघमार और सभापति श्याम शर्मा ने किया शुभारंभ, खिलाड़ियों में भरा जोश और आत्मविश्वास

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्रान्तर्गत आज सांसद खेल महोत्सव 2025 का भव्य शुभारंभ हुआ। शहर के महात्मा गांधी स्कूल प्रांगण में आयोजित इस समारोह में युवाओं और खेल प्रेमियों में गजब का उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद विजय बघेल, महापौर अलका बाघमार, सभापति श्याम शर्मा और शेखर चंद्राकर ने दीप प्रज्वलित कर किया।इस दौरान उन्होंने खेल भावना का संदेश देते हुए खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया और जीत की शुभकामनाएं दीं। महोत्सव में उपस्थित आयुक्त सुमित अग्रवाल, उपायुक्त मोहेंद्र साहू, कार्यपालन अभियंता गिरीश दीवान, कार्यपालन अभियंता विनीता वर्मा, संजय ठाकुर, हरिशंकर साहू, विनोद मांझी,मोहित मरकाम, पंकज साहू, विकास दमाहे, प्रेरणा दुबे,उमयंती ठाकुर सहित नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया।मैदानों में खेल भावना, जोश और सौहार्द का शानदार नज़ारा देखने को मिला।

खेल के मैदानों में दिखा ऊर्जा और उत्साह का संगम-सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत दो दिवसीय (14 व 15 अक्टूबर) खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें वॉलीबॉल, कुश्ती, वेटलिफ्टिंग, योगासन, एथलेटिक्स (100 मीटर एवं 400 मीटर दौड़) जैसी आधुनिक खेल विधाओं के साथ-साथ पारंपरिक खेल - कबड्डी, खो-खो, गेड़ी (पुरुष वर्ग), फुगड़ी और सुरीली कुर्सी (महिला वर्ग) शामिल हैं। इन प्रतियोगिताओं का आयोजन में कुश्ती और वेट लिफ्टिंग महात्मा गांधीस्कूल, बॉलीबॉल खो खो कबड्डी सुरीली कुर्सी दौड़, पुगड़ी सुराना कॉलेज मैदान, और 100 मी400 मी रेस गेड़ी रविशंकर स्टेडियम में किया जा रहा है। मैदानों में हर ओर जोश, उत्साह और दर्शकों की तालियों की गूंज से वातावरण खेलमय बन गया।

तीन आयु वर्गों में हुआ जोशीला मुकाबला-महोत्सव में तीन आयु वर्गों में मुकाबला हुआ जिसमें 9 से 15 वर्ष तक के खिलाड़ी, 16 से 30 वर्ष तक के खिलाड़ी वहीं 30 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के प्रतिभागी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। एकल खेलों में 100 और 400मीटर दौड़ गेड़ी कुश्ती, वेटलिफ्टिंग, कुर्सी दौड़ तथा टीम खेल में बॉलीबॉल कबड्डी खो खो का रोमांचक प्रदर्शन हुआ। युवा खिलाड़ियों के साथ-साथ वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं की भागीदारी ने यह साबित किया कि खेल उम्र नहीं, बल्कि उत्साह की पहचान है। सांसद विजय बघेल ने कहा खेल हमें जीवन में अनुशासन और आत्मविश्वास सिखाते हैं। सांसद विजय बघेल ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा खेल जीवन का सबसे बड़ा शिक्षक है। यह हमें हार-जीत से ऊपर उठकर मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास की भावना देता है। हमारे शहर के युवा खेलों के माध्यम से न केवल फिट रहना सीख रहे हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक सोच का संदेश भी दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सांसद खेल महोत्सव शहर की खेल संस्कृति को नई ऊँचाइयाँ देगा। हमारा लक्ष्य है कि हर गली-मोहल्ले में खेल का माहौल बने, बच्चे मोबाइल छोड़कर मैदान में समय बिताएं। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि ÷खेलों से खिलते हैं सपने, और यही सपने शहर की पहचान बनते हैं। नगर निगम खिलाड़ियों को हर संभव सुविधा देने के लिए तत्पर है। उन्होंने आगे कहा खेल भावना ही समाज में एकता और भाईचारे का प्रतीक है महापौर ने कहा सांसद खेल महोत्सव हमारे युवाओं के लिए एक ऐसा मंच है।

विधायक ललित ने कराया टॉस 350 खिलाड़ियों ने खेला खेल

रिसाली। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नगर पालिक निगम रिसाली के वार्ड स्तर पर सांसद खेल महोत्सव रिसाली दशहरा मैदान में कराया गया। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने पहले टॉस कराया फिर कबड्डी खिलाड़ियों से परिचय लेते खेल का उदघाटन किया। वार्ड स्तर के दस अलग-अलग प्रतियोगिता में 350 खिलाड़ी शामिल हुए। प्रतियोगिता शुरू कराने से पहले पंजीकृत खिलाड़ियों का सत्यापन कर प्रवेश दिया गया। इस दौरान दुर्ग ग्रामीण विधायक ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव एक ऐसा मैदान है जहां से छन कर खिलाड़ी क्लस्टर लेबल, विधानसभा स्तर और फिर लोकसभा स्तर पर निष्पक्ष प्रदर्शन कर राष्ट्रीय स्तर खेलेंगे। उन्होंने ग्रामीण स्तर और राष्ट्रीय स्तर के दस अलग-अलग खेलों के बारे में प्रकाश डालते हुए खिलाड़ियों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। अतिथियों का स्वागत खेल महोत्सव के नोडल सुनील दुबे ने किया। कार्यक्रम में एमआईसी सदस्य सनीर साहू, पार्षद ममता सिन्हा, धर्मेन्द्र भगत, मण्डल अध्यक्ष अनुपम साहू, समेत आयुक्त मोनिका वर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे।

दो खेलों में मिला वॉक ओवर-पांच परंपरागत समेत दस खेलों में प्रतिभागियों की संख्या 350 थी। वहीं वॉलीवाल और कुश्ती के दो वर्ग में केवल एक टीम व खिलाड़ी की उपस्थिति होने पर उन्हें निर्णायक मण्डल ने वॉक ओवर देते हुए विजेता घोषित किया। वॉलीवाल और कुश्ती के खिलाड़ी प्रतियोगिता में भाग्य अजमाने से पहले ही क्लस्टर लेबल के प्रतियोगिता में प्रवेश पा लिया।

सड़क पर दुकानदारों के द्वारा किए गए अतिक्रमण पर यातायात पुलिस और नगर निगम ने चलाया संयुक्त अभियान अतिक्रमण हटाने दी गई समझाइश

शारदा विहार चौक से सोनालिया पुल तक लोगों को राहत दिलाने प्रशासन की मुहिम

कोरबा। कोरबा त्योहार सीजन में शहर की प्रमुख सड़कों में भीड़भाड़ बढ़ गई है आम जनों को किसी तरह की दिक्कत का सामना नहीं करना पड़े इसके लिए जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने पुलिस बल के साथ यातायात पुलिस को भी निर्देशित किया हुआ है इसके बाद से ही यातायात पुलिस अभियान छेड़ी हुई है और जहां भी जाम की स्थिति निर्मित हो रही है वहां पूरी शिद्दत के साथ यातायात पुलिस के अधिकारी और जवान कमान संभाले हुए हैं शहर के प्रमुख बाजार के प्रवेश द्वार पर शारदा विहार चौक से लेकर सोनालिया पुल तक अक्सर जाम की स्थिति निर्मित हो रही है यहां फल की दुकान लगाने वाले और ठेले खोमचे वाले सड़क पर अतिक्रमण कर अपना व्यवसाय कर रहे हैं जिसके कारण वाहनों की लंबी-लंबी कतार लग जाती है और आम जनों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है इसी को ध्यान में रखते हुए यातायात पुलिस ने नगर निगम के अतिक्रमण दस्ते के साथ मिलकर संयुक्त अभियान चलाया और सड़क पर अतिक्रमण कर व्यवसाय कर रहे दुकान दरों को समझाइश देकर अपना सामान सड़क से उठाने का आग्रह किया इस आगरा पर दुकानदारों में भी पूरा सहयोग किया और अपने सामान को सड़क से हटाकर अपनी दुकानों के अंदर किया इसके बाद काफी हद तक लोगों को आवागमन में राहत मिलने लगी है यातायात पुलिस के इस अभियान का नेतृत्व यातायात पुलिस के डीएसपी डीके सिंह थाना प्रभारी तेज सिंह यादव और सहायक उप निरीक्षक मनोज राठौर कर रहे थे वही नगर निगम के अतिक्रमण विभाग से विकास शुक्ला अपनी टीम के साथ मौजूद रहे यातायात पुलिस के सहायक उप निरीक्षक मनोज राठौर ने बताया कि दीपावली पर्व आम जनों को बिना किसी व्यवधान और परेशानी के संपन्न करने का अवसर मिले इसके लिए जिला पुलिस बल के साथ यातायात पुलिस भी अपनी पूरी ताकत के साथ अभियान में जुटी हुई है उन्होंने आम जनों से आग्रह किया कि सभी यातायात नियमों का पालन करें और सड़क पर वाहन चलाने के दौरान पैदल राहगीरों को और दूसरों को तकलीफ ना हो इसका भी पूरा ध्यान रखें।

गौवंश की दुर्दशा पर युवा कांग्रेस का अनोखा प्रदर्शन

कांग्रेस सरकार में गौठान से मिली सुरक्षा, अब भाजपा सरकार में सड़कों पर मौतें

राजनांदगांव। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा धार्मिक मंच से गाय को 'राजमाता' का दर्जा देने की बात कहे जाने के बाद, गौवंश की दुर्दशा को लेकर युवा कांग्रेस ने सोमवार को राष्ट्रीय सचिव निखिल द्विवेदी के नेतृत्व में अनोखा प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि जब मुख्यमंत्री गाय को राजमाता मानते हैं, तो उन्हें भी विश्राम भवन जैसे सुरक्षित स्थानों में रखा जाना चाहिए, न कि सड़कों पर मरने के लिए छोड़ दिया जाए। युवा कांग्रेस कार्यकर्ता रानी सागर विश्राम भवन पहुंचे और वहां गौवंश की पूजा-अर्चना की। इसके बाद प्रतीकात्मक रूप से 'राजमाता' को विश्राम भवन में रखने के लिए आगे बढ़े, लेकिन प्रशासन ने भवन के मुख्य द्वार पर अंदर से ताला लगा दिया था। पुलिस ने बड़ी संख्या में जवान तैनात कर बेरीगेटिंग की थी। कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच नारेबाजी हुई तथा बेरीकेट तोड़ते हुए युवाओं ने आगे बढ़ने की कोशिश की।

गौ माता सड़कों पर, जनता हादसों की शिकार

युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव निखिल द्विवेदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में गौ माता की स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने कहा गाय, जिसे घरों और गोशालाओं में रहना चाहिए था, आज सड़कों पर भटक रही है। हादसों में रोजाना उनकी और जनता की जान जा रही है। यह स्थिति बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान गोठान योजना और गोबर खरीदी योजना के चलते गौवंश सुरक्षित था। किसान और पशुपालक दूध, गोबर, गौमूत्र और ऑर्गेनिक खाद से आमदनी बढ़ा रहे थे। अब भाजपा सरकार ने इन योजनाओं को बंद कर दिया, जिसके कारण सैकड़ों गायें सड़कों पर बेसहारा भटक रही हैं। प्रदर्शन के दौरान युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष ऋषि शास्त्री ने कहा कि भाजपा सरकार बने डेढ़ साल से अधिक हो चुके हैं, लेकिन केवल पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की जनहित योजनाओं को बंद करने का काम हुआ है। उन्होंने कहा यदि मुख्यमंत्री गाय को राजमाता कहते हैं, तो उनकी सुरक्षा और कल्याण के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। पशुपालन को प्रोत्साहन देने और गौवंश की सुरक्षा के लिए नई योजनाएं लागू की जाएं।

प्रदर्शन में बड़ी संख्या में युवा शामिल

इस प्रदर्शन में शरद विनय झा, ऋषि शास्त्री, अभिमन्यु मिश्रा, रीना पटेल, केशव पटेल, हर्ष साहू, विप्लव शर्मा, सौरभ तिवारी, शुभम शुक्ला, दीनू साहू, हर्ष खोबरागड़े, संदीप सोनी, ललिता साहू, विशु अजमानी, विनायक राठौड़, राज यादव, गरुण विक्रम, चंद्रशेखर मालेकर सहित बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

धान फसल में कीट एवं रोग प्रबंधन

दुर्ग। दुर्ग जिले मे धान फसल खरीफ की मुख्य फसल है, जिले में लगातार हो रहीं बारिश से किसानों में अच्छे फसल की आशा बनी हुई है, फिलहाल बारिश की अधिकता से वातावरण में नमी बढ़ गई है। वहीं बारिश के बाद तेज धूप से उमस के कारण धान की फसल में तना छेदक, पत्ती मोड़क, भूरा माहू, ब्लड वर्म, पेनिकल माइट एवं जीवाणु जनित झुलसा जैसे कीटव्याधि की समस्या उत्पन्न हो रहीं है। समस्याओं के नियंत्रण हेतु उप संचालक कृषि जिला-दुर्ग द्वारा जिले के मैदानी अमलों को कृषकों के खेतों का सतत निरीक्षण किये जाने एवं समन्वित कीट एवं रोग प्रबंधन हेतु समय-समय पर कृषकों को समसामयिक सलाह देने के निर्देश दिये जा रहे हैं। किसान भाईयों को सलाह दी गई है कि भूरा माहू के नियंत्रण हेतु 24 घण्टे के लिए पानी का निकास करने से कीट नियंत्रण में सहायता मिलती है। तना छेदक कीट के वयस्क दिखाई देने पर फसल का निरीक्षण कर तना छेदक के अंडों को एकत्र कर नष्ट कर दे तथा डेड हार्ट (सुखी पत्ती) को निकाल दे। सतत निगरानी हेतु शाम 6.30 से 10.30 बजे तक प्रकाश प्रपंच का उपयोग करते हुए एकत्रित कीट को सुबह नष्ट कर दे। खेत के बीच में अलग-अलग जगह ''टी'' आकार की खुटियां फसल से 1 फीट ऊंची लगानी चाहिए जिस पर पक्षी बैठकर हानिकारक कीटों को खा सके। धान की फसल पर रस्सी को दोनो किनारों से पकड़कर घुमाना चाहिए जिससे की चितरी की इल्लिया पानी में गिर जाये तथा पानी में थोडा मिट्टी का तेल डाल देने से इल्लिया मर जाती है। अनुशंसित मात्रा में रासायनिक खाद का उपयोग करें अत्याधिक/अनावश्यक नत्रजन के उपयोग से रसचुसक कीट के आक्रमण की संभावना बढ़ जाती है।

कोरबा जिले में कोयला खदानों और बांगो बांध से विस्थापन का दर्द और भविष्य का संकट

- कोरबा में आयोजित होगा प्रदेश स्तरीय विस्थापन पीड़ितों का महासम्मेलन

कोरबा। कोरबा जिले में लगातार कोयला खदानों का विस्तार, हसदेव जंगल की कटाई और बांगो बांध में हुए विस्थापितों का दर्द और विस्थापितों के अधिकारों पर हो रहे हमले भविष्य के लिए एक गंभीर चिंता को दर्शाता है, जिसके केंद्र में विस्थापन, आजीविका और आने वाले सालों में गहराता संकट है। प्रेस वार्ता में वक्ताओं ने 5वीं अनुसूची ग्राम सभा के अधिकारों का पालन, भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2013 के प्रावधानों को लागू करने और पूर्व में अधिग्रहित भूमि का वर्तमान बाजार दर पर मुआवजा देने की मांग उठाई। 1960 के दशक से लेकर आज तक कोरबा जिले में हुए कोयला खदानों के लगातार विस्तार से समस्याओं उत्पन्न हुई है। यह संकट केवल मौजूदा विस्थापन तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाले वर्षों में कोरबा के लाखों निवासियों के जीवन पर गहरा असर डालेगा। कृषि भूमि का विनाश और खाद्य संकटः दशकों से हो रहे खनन ने हमारी बहुमूल्य कृषि भूमि को उजाड़ दिया है। एक तरफ एसईसीएल विस्थापन के नाम पर लोगों की जीवनरेखा छीन रहा है, वहीं दूसरी तरफ हसदेव जैसे जीवनदायनी जंगल का विनाश के कारण पर्यावरण और जल संकट उत्पन्न हो रहा हैं जिसके कारण बचा-खुचा कृषि भी प्रभावित हो रहा है। अगर यही हाल रहा, तो आने वाली पीढ़ी के लिए जीवन-यापन और खाद्य सुरक्षा पर एक बड़ा प्रश्नचिन्ह बन जाएगी। रोजगार और खदान बंदी का दोहरा झटकाः कोयला उद्योग में विस्थापित क्षेत्र के लाखों लोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार पाते हैं। आज एसईसीएल केवल मनमानी कर रहा है, लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आने वाले 20 सालों में ये खदानें धीरे-धीरे बंद होने लगेंगी। जब ये खदानें पूरी तरह बंद हो जाएंगी, तो प्रभावित क्षेत्र के लाखों लोगों की आजीविका का क्या होगा? न कृषि बचेगी, न कोयला उद्योग। कोरबा के युवाओं का भविष्य किस ओर जाएगा? भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन में उचित मुआवजा और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 का उलंघन हो रहा है।

औषधि शाखा द्वारा न्यू आरजू मेडिकल का औषधि लाईसेंस निरस्त

मिश्रा मेडिकोज के औषधि लाईसेंस को 10 दिवस के लिए निलंबित

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देश पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन जिला दुर्ग कि औषधि शाखा द्वारा प्राप्त शिकायत के आधार पर 12 सितम्बर 2025 को सहायक औषधि नियंत्रक संजय सिंह झडेकार के नेतृत्व में औषधि निरीक्षक विशनु प्रसाद साहू एवं चंद्रकला ठाकुर की संयुक्त टीम द्वारा सड़क 18, कैम्प 01, भिलाई पहुंचकर मेसर्स न्यू आरजू मेडिकल, मिश्रा मेडिकोज, आरजू मेडिकल, जिया मेडिकल एवं बालाजी मेडिकल का निरीक्षण किया। निरीक्षण में पाई गई अनियमितताओं के आधार पर उपरोक्त सभी मेडिकल स्टोर्स को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया था। न्यू आरजू मेडिकल स्टोर्स सड़क 18, कैम्प 01, भिलाई द्वारा कारण बताओ सूचना पत्र का जवाब संतोषजनक प्रस्तुत नहीं करने एवं अनियमितताएं अधिक होने के कारण न्यू आरजू मेडिकल का औषधि लाईसेंस निरस्त किया गया है। इसी तरह मिश्रा मेडिकोज के औषधि लाईसेंस को 10 दिवस के लिए निलंबित किया गया। इसके अलावा फर्म मेसर्स आदिराज मेडिकल्स, मॉडल टॉउन भिलाई, जिला दुर्ग का निरीक्षण 12 सितम्बर 2025 को कोडिन फास्फेट सिरप के संबंध में किया गया जिसमें संबंधित फर्म द्वारा कोई भी वैध रिकार्ड प्रस्तुत नहीं किया गया, जिस पर फर्म मेसर्स आदिराज मेडिकल्स, मॉडल टॉउन भिलाई, जिला दुर्ग को निरस्त किया गया। भविष्य में भी औषधि प्रशासन द्वारा मेडिकल स्टोर संचालन में विशेषतौर पर औषधियां जिनका नशे के रूप में दुरूपयोग संभव है के क्रय-विक्रय रिकार्ड के संबंध में अनियमितता पाए जाने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

छत्तीसगढ़ बंगाली मित्र समाज का विजया मिलन समारोह

नारियल लड्डू से एक दूसरे का मुंह मीठा कराया

दुर्गा पूजा के बाद बंगाली समाज का पारंपरिक उत्सव

दुर्ग। छत्तीसगढ़ बंगाली मित्र समाज भिलाई कैंप क्षेत्र के सदस्यों की ओर से बुधवार को कैम्प 2 विवेकानंद नगर बंगाली मोहल्ला हरि संघ काली मंदिर के प्रांगण एवं सामने स्थल पर विजया मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्ति सहित समाज बंधु शामिल हुए। इस समारोह में लोगों के द्वारा बड़ों के पैर छूकर आशीर्वाद लेते वहीं बड़ों के द्वारा छोटों को प्यार व दुलार देते हुए देखा गया तथा गुड़ के बनाए गए नारियल लड्डू एक दूसरे को खिलाया गया । दुर्गा पूजा के बाद बंगाली समाज का एक पारंपरिक यह उत्सव है। यह कार्यक्रम आमतौर पर दुर्गा पूजा के समापन के बाद होता है। लोग एक दूसरे के घर जाकर शुभकामनाएं देते है। यह आपसी भाईचारे और सौहार्द को बढ़ावा देने का अवसर है। आयोजन के इस मौके पर महिला सदस्यों के द्वारा कृष्णा मास के अवसर पर होने वाले सामूहिक पाठ का भी आयोजन तथा बांग्ला भाषा में गीत प्रस्तुति की गई तथा उपस्थित अतिथियों के हाथों से दीप प्रज्वलित कर सुख समृद्धि शांति की कामना की गई। इस मौके पर सहभोज के साथ समाज के विकास के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई । कार्यक्रम में अतिथि के रूप में समाज के अमिताभ सरकार, सुमित घोषाल, भिलाई नगर कालीबाड़ी सेक्टर 6 के पूर्व अध्यक्ष तपन दास, हाउसिंग बोर्ड कालीबाड़ी समिति के अध्यक्ष काजल चक्रवर्ती, हाउसिंग बोर्ड कालीबाड़ी के महासचिव विद्युत चौधरी , डॉ मजूमदार , जितेन्द्र सरकार उपस्थित हुए तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ बंगाली मित्र समाज के प्रदेशाध्यक्ष सुमन शील ने की है। सम्बोधन के कड़ी में सर्वप्रथम काजल चक्रवर्ती ने बताया कि एक समय इस क्षेत्र में एक मात्र दुर्गा पूजा हाउसिंग बोर्ड कालीबाड़ी में हुआ करता था जहां पर सुभाष नगर, विवेकानंद नगर, शर्मा कॉलोनी के लोग एकत्रित होते थे क्योंकि एक कालीबाड़ी हुआ करता था । आज विभिन्न क्षेत्रों पर कालीबाड़ी बन गए हैं, जिससे लोग अपने अपने क्षेत्र में बंधकर रह गए हैं परंतु हम सभी को एक जगह उपस्थित होने से कहीं ना कहीं एक दूसरे के सुख दुख का पता चल पाता है। लोगों को एक जगह बांधने का यह कार्य बंगाली बंधु समाज के द्वारा विजया मिलन समारोह के जरिए किया गया है। अपने अपने संबोधित में सभी अतिथियों ने छत्तीसगढ़ बंगाली बंधु समाज से ज्यादा से ज्यादा जुड़ने का आह्वान किया है । कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे समाज के प्रदेशाध्यक्ष सुमन शील ने कहा कि समाज एक बड़ा व्यापक समूह है जो समान संबंधों कानून और संस्कृति को साझा करता है । समाज विशाल होता है जिसमें कई समुदाय और विभिन्न प्रकार के लोग शामिल होते हैं । छत्तीसगढ़ में बंगाली समाज की आबादी 8न्न प्रतिशत से अधिक होने के बावजूद आज भी बंगाली समाज अपने अधिकारों से वंचित है। उस वंचित को खत्म करने के लिए हमें एकजुट होने की आवश्यकता है । कार्यक्रम के अंत में भिलाई विधानसभा महिला विंग का अध्यक्ष श्रीमती तुलसी राय, वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र महिला विंग की अध्यक्ष काजल राय तथा वार्ड 33 विवेकानंद नगर कैंप 2 महिला विंग की अध्यक्ष नर्मदा राय की घोषणा कर नियुक्ति पत्र सौंपा गया । समारोह में बंगाली दुर्गा पूजा समिति सुभाष नगर के संगम दुर्गा पूजा समिति के प्रभात राय, मिलन मजूमदार एवं शर्मा कॉलोनी सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति के नरेश शील, सुजित शील को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मान किया गया तथा विवेकानंद नगर निवासी 80 वर्षीय श्रीमती अल्पना राय को बंगाली संस्कृति की अलख आने वाली पीढ़ी के साथ साझा करने वाली कार्य के लिए उपस्थित अतिथियों के हाथों से स्मृति चिन्ह देकर सम्मान कर आशीर्वाद लिया गया ।कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से सुब्रत राय, सपन राय, राजेश सरकार, उत्तम विश्वास, सुशील पात्रों, मानिक शील, भूपति मण्डल, गणेश शील, रंजन प्रसाद, कोमल सरकार, चित्रा मण्डल , सुजाता सरकार, ममता पात्रों, नर्मदा राय, काजल राय का विशेष सहयोग रहा है ।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com